CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-14, अंक-284
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

पेज-04

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, बुधवार 17 जनवरी 2024

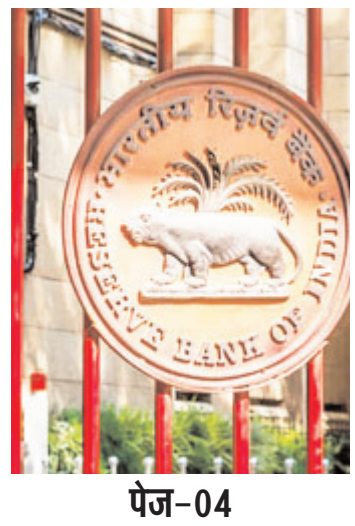

आज का विचार

आज से बेहतर कुछ भी नहीं क्योकिं,कल कभी आता नहीं और आज कभी जाता नहीं।

943 करोड़ रुपए में तैयार हुआ, चारों शंकराचार्य और एक हजार मंदिरों से लोगों को बुलाया गया

जगन्नाथ मंदिर हेरिटेज कॉरिडोर का उद्घाटन आज

देश के चार धामों में से एक 12वीं सदी में बने ओडिशा के पुरी जगन्नाथ मंदिर हेरिटेज कॉरिडोर (श्रीमंदिर परियोजना) का काम पूरा हो चुका है। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक इस कॉरिडोर का बुधवार (17 जनवरी) को उद्घाटन करेंगे। ओडिशा सरकार ने उद्घाटन कार्यक्रम में भारत और नेपाल के एक हजार मंदिरों को न्योता भेजा है। साथ ही देश के चारों शंकराचार्यों, चारों पवित्र धाम और चार अन्य छोटे धामों को भी आमंत्रित किया है। मंदिर प्रशासन ने नेपाल के राजा को भी निमंत्रण भेजा है। प्रोजेक्ट के तहत मंदिर से लगे बाहरी दीवार (मेघनाद पचेरी) के चारों तरफ 75 मीटर चौड़ा गलियारा बनाया गया है। मंदिर के चारों ओर 2 किलोमीटर में श्रीमंदिर परिक्रमा पथ का निर्माण किया गया है। यहां से श्रद्धालु मंदिर का सीधे दर्शन कर सकेंगे। दिसंबर 2019 में शुरू हुए प्रोजेक्ट के तहत बने रिसेप्शन सेंटर में 6 हजार भक्त एक साथ खड़े हो सकेंगे। यहां 4 हजार परिवारों के लिए सामान रखने के लिए लॉकर रूम, शेल्टर पवेलियन, मल्टीलेवल कार पार्किंग, पुलिस और फायर ब्रिगेड और इमरजेंसी के लिए शटल बस की सुविधा दी गई है। उद्घाटन के लिए दो दिन पहले यहां महायज्ञ शुरू हुआ। आज पूर्णाहूति के साथ इसे विधिवत रूप से श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया जाएगा। 943 करोड़ रुपए में बनाए गए इस प्रोजेक्ट का मकसद 12वीं सदी के जगन्नाथ मंदिर को वर्ल्ड हेरिटेज में शामिल करना है।

मंगनार के जंगलों में पुलिस से मुठभेड़ में

मारा गया 5 लाख का इनामी नक्सली कमांडर

जगदलपुर। दंतेवाड़ा जिले के बारसूर थाना क्षेत्र के मंगनार जंगल में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस गोलीबारी में पुलिस जवानों ने 5 लाख के इनामी नक्सली को मार गिराने में सफलता हासिल की है। मारे गए नक्सली के ऊपर अन्य धाराओं के तहत 9 मामले भी दर्ज थे। पुलिस ने बताया कि मुठभेड़ में 5 लाख का इनामी रतन कश्यप उर्फ सलाम पिता सन्नू उर्फ संतू, तोड़मा मिलिशिया प्लाटून डिप्टी कमांडर/आमदाई एरिया कमेटी सदस्य 31 वर्ष निवासी घोटिया थाना मालेवाही, को पुलिस ने मार गिराया है। पुलिस को सूचना मिली कि थाना बारसूर क्षेत्रान्तर्गत मंगनार के जंगल में आमदाई एरिया कमेटी के 10-15 सशस्त्र नक्सली आए हुए है। सूचना पर डीआरजी बस्तर फाइटर्स दंतेवाड़ा, एवं सीआरपीएफ 195 वाहिनी यंग प्लाटून की संयुक्त टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी। नक्सल गश्त सर्च अभियान के दौरान मंगनार के जंगल में पुलिस और नक्सलियों के बीच हुए मुठभेड़ मे तोड़मा मिलिशिया प्लाटून डिप्टी कमांडर/आमदाई एरिया कमेटी सदस्य/ रतन कश्यप उर्फ सलाम पिता सन्नू उर्फ संतू को मार गिराने मे पुलिस को सफलता मिली। मारे गये नक्सली द्वारा वर्ष 2020 में जिला बस्तर थाना मारडूम में पुलिस पार्टी पर हमला करने के साथ ही आईडी विस्फोट किया गया था जिसमें 2 पुलिस कर्मी शहीद हुए थे। मारे गये नक्सली के द्वारा वर्ष 2020 में ही एक पुलिसकर्मी की हत्या कर दी गई गई थी, जिस पर थाना मारडूम जिला बस्तर में अपराध दर्ज है। मारे गये नक्सली के विरूद्ध छग शासन के द्वारा 5 लाख का ईनाम घोषित था।

कूनो पार्क में एक और चीते ने तोड़ा दम

श्योपुर। कूनो नेशनल पार्क से आज फिर एक बुरी खबर सामने आई है. यहां चीता शौर्य ने दम तोड़ दिया है. कूनो में अब तक दस चीतों की मौत हो चुकी है, इनमें सात चीते और तीन शावक शामिल हैं. लॉयन प्रोजेक्ट के डायरेक्टर ने बताया कि आज करीब सवा तीन बजे चीता शौर्य की मौत हुई. पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत का खुलासा होगा.लॉयन प्रोजेक्ट के डायरेक्टर ने बताया कि आज करीब सवा तीन बजे चीता शौर्य की मौत का पता चला. उन्होंने कहा कि चीता शौर्य की मौत किन कारणों से हुई, इसका खुलासा पोस्टमार्टम की रिपोर्ट के आने के बाद होगा. बता दें कि कूनो नेशनल पार्क में नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से 20 चीते लाए थे. वहीं अब तक कूनो के चीतों में से 10 की मौत हो चुकी है, इनमें तीन शावक भी शामिल हैं.दरअसल, मध्य प्रदेश में भी छात्र राजनीति का लंबा इतिहास रहा है, प्रदेश के सभी कॉलेजों में पहले प्रत्यक्ष प्रणाली से ही चुनाव होते थे, लेकिन धीरे-धीरे चुनावों में हिंसक घटनाएं सामने आई, जिसके चलते प्रत्यक्ष प्रणाली से छात्र संघ चुनावों बंद करा दिया गया था, जबकि 2003 आते-आते छात्रसंघ चुनाव का प्रारूप बदल दिया गया. इसके बाद मेरिट के आधार पर चुनाव कराए गए. लेकिन इस प्रक्रिया का छात्र संघठनों ने विरोध किया, जिसके चलते मध्य प्रदेश में लंबे समय से छात्र संघ के चुनाव अटके हुए हैं।

प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आज दूसरा दिनो

आज मंदिर परिसर में प्रवेश करे

एजेंसी, अयोध्या। राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के अनुष्ठान का आज दूसरा दिन है। आज का दिन हर राम भक्त के बहुत महत्वपूर्ण है। आज राम लला पहली बार राम मंदिर परिसर में प्रवेश करेंगे। राम लला के विग्रह को शुभ मुहूर्त में परिसर में प्रवेश कराया जाएगा। कुल नौ कलशों में जलभर कर आचार्यगण व यजमान सरयू के सहस्त्रधारा घाट से रामजन्मभूमि परिसर में अनुष्ठान के निमित्त निर्मित मंडप तक जाएंगे। सरयू तट पर ही तीर्थ पूजन भी होगा। इससे पहले प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान के पहले दिन प्रथम यजमान के रूप में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्र व उनकी पत्नी उषा मिश्रा पूजन पर बैठे।

लोकसभा चुनाव की तैयारीः भाजपा ने मप्र को सात कलस्टर में बांटा, नियुक्त किए प्रभारी

नरोत्तम को ग्वालियर-चंबल और विजयवर्गीय को इंदौर संभाग की जिम्मेदारी

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इसी साल अप्रैल-मई में होने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुट गई है। इसी के मद्देनजर दिल्ली स्थित पार्टी कार्यालय में मंगलवार को लोकसभा क्लस्टर प्रभारियों की बैठक हुई। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने उद्घाटन कर पहले सत्र को संबोधित किया, जबकि शाम को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बैठक में शामिल हुए। बैठक के दौरान पार्टी ने लोकसभा चुनाव को लेकर देशभर में 146 क्लस्टर बनाए। इसमें मध्य प्रदेश की 29 लोकसभा सीटों को सात क्लस्टर में बांटा गया है। इसके साथ सातों क्लस्टर के प्रभारी भी नियुक्त कर दिए गए हैं। प्रदेश के दोनों उप मुख्यमंत्री, तीन मंत्री और दो पूर्व मंत्री को क्लस्टर प्रभारी बनाया गया है। बैठक में मप्र भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा समेत सभी क्लस्टर प्रभारी शामिल हुए। पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा को ग्वालियर-चंबल क्लस्टर का प्रभारी बनाया गया है। इस कलस्टर में गुना, ग्वालियर, भिंड, मुरैना लोकसभा सीट शामिल है। इंदौर क्लस्टर की जिम्मेदारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को दी गई है, इसमें धार, इंदौर, खंडवा, खरगोन, रतलाम सीट शामिल है। वहीं, सागर क्लस्टर का प्रभारी पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह को बनाया गया है। इसमें दमोह, सागर, खजुराहो, टीकमगढ़ सीट शामिल है। रीवा क्लस्टर का प्रभारी उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल को बनाया गया है। इस कलस्टर में रीवा, सतना, सीधी, शहडोल सीट शामिल है। जबलपुर क्लस्टर का प्रभारी प्रह्लाद पटेल को बनाया गया है। इसमें बालाघाट, छिंदवाड़ा, मंडला, जबलपुर की सीट शामिल है। वहीं, भोपाल क्लस्टर का प्रभारी विश्वास सारंग को बनाया गया है। इसमें भोपाल, राजगढ़, विदिशा, बैतूल, नर्मदापुरम,सीट शामिल है। इसके अलावा उज्जैन क्लस्टर का प्रभारी जगदीश देवड़ा को बनाया गया है। इसमें देवास, मंदसौर, उज्जैन सीट शामिल है।

रीवा, सतना और दतिया से इसी वर्ष शुरू होगी हवाई सेवा

हवाई सेवा से बैंगलोर दिल्ली और अयोध्या से सीधे जुड़ा ग्वालियरः सिंधिया

भोपाल । केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि इसी वर्ष रीवा, सतना और दतिया में हवाई सेवा शुरू होगी। अभी हमने मकर संक्रांति सहित कई त्यौहार मनाए हैं। त्यौहारों की बेला में नई हवाई सेवाओं को प्रारंभ करने का शुभ कार्य हो रहा है। यह हवाई सेवा ग्वालियर को दिल्ली और अयोध्या से भी जोड़ेगी। केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ग्वालियर से बैंगलोर की हवाई सेवा का शुभारंभ कार्यक्रम को दिल्ली से वर्चुअल माध्यम से संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव भी चित्रकूट से वर्चुअली जुड़े। सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश के साथ मध्यप्रदेश और ग्वालियर भी बदल रहा है। मुख्यमंत्री डॉ यादव भी ग्वालियर के विकास के लिए प्रयासरत हैं। ग्वालियर व्यापार मेले में इस वर्ष की गतिविधियों के अवलोकन के लिए आए थे। आज प्रारंभ हुई ये उड़ानें व्यवसाय-वाणिज्य और पर्यटन में वृद्धि कर अर्थव्यवस्था को नई शक्ति प्रदान करेंगी। उन्होंने कहा कि भारत की आध्यात्मिक और आर्थिक शक्ति का संगम हो रहा है। इससे हमारा देश विश्व पटल पर उभर कर आएगा। ग्वालियर से नई विमान सेवाओं के प्रारंभ होने से यात्री दक्षिण भारत और आईटी की राजधानी तक और केन्द्रीय राजधानी के साथ ही रामलला के दर्शन के लिए अयोध्या तक पहुंच सकेंगे। केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि नई हवाई सेवाएं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प और मुख्यमंत्री डॉ यादव की सकारात्मक सोच का संगम है। ग्वालियर में विमानतल को आधुनिकतम स्वरूप देने के साथ ही प्राचीन संस्कृति और इतिहास की झलक प्रस्तुत करने का कार्य भी हुआ है। प्रधानमंत्री अधोसंरचना के विकास पर जोर देते हैं। लगभग सवा वर्ष की अवधि में ग्वालियर विमानतल से जुड़े कार्य सम्पन्न हो रहे हैं। सिंधिया ने इंदौर से यूएई, शारजाह के लिए हवाई सेवाओं और प्रदेश के विभिन्न स्थानों से एयर कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए किए गए प्रयासों की भी विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ यादव ग्वालियर के विकास के कार्य प्राथमिकता से कर रहे हैं। जिससे ग्वालियर वासियों को कई सौगातें मिल रही हैं। हाल ही में 500 करोड़ की लागत से ग्वालियर में नया हवाई टर्मिनल बनाया गया है। अब ग्वालियर में 33 विमान सेवाओं के माध्यम से 13 शहरों में जोड़ने का अवसर मिल गया है। जबलपुर और रीवा में एयरपोर्ट विकास तथा सतना हवाई पट्टी के विकास का कार्य तेजी से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पहले ग्वालियर में छोटे छोटे विमान आते थे, पर अब एक नहीं बल्कि दो-दो एयरबस 320 विमानों की आवाजाही ग्वालियर से होगी। इससे ग्वालियर की क्षमता को विश्व पटल पर उजागर करने का एक नया साधन मिलेगा।

2024 से पहले नीतीश कुमार का मास्टरस्ट्रोक!

94 लाख गरीब परिवारों को मिलेंगे 2-2 लाख रुपये

पटना। नीतीश कुमार सरकार ने आगामी लोकसभा चुनाव से ठीक पहले जाति आधारित जनगणना और आर्थिक सर्वे के आधार पर चिह्नित 94 लाख से भी ज्यादा परिवारों को दो-दो लाख रुपये देने का प्रस्ताव पारित कर दिया है. बिहार कैबिनेट की मंगलवार को हुई बैठक में यह प्रस्ताव लाया गया, जिसे कैबिनेट की मंजूरी मिल गई. इसके बाद राज्य में 94 लाख 33 हजार 312 गरीब परिवारों को 2-2 लाख रुपए दिए जाएंगे. बीते दिनों बिहार में जातीय जनगणना और आर्थिक सर्वे रिपोर्ट सामने आने के बाद नीतीश कुमार ने ऐलान किया था कि राज्य में चिह्नित 94 लाख से भी ज्यादा गरीब परिवारों को राज्य सरकार द्वारा दो-दो लाख रुपये लघु उद्योग के लिए दिए जाएंगे. राज्य सरकार के इस फैसले की जानकारी देते हुए मंत्रिमंडल विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने कहा कि बिहार लघु उद्यमी योजना के तहत राज्य सरकार गरीब परिवारों को दो-दो लाख लाख रुपए देगी. राज्य सरकार ने इस योजना को लागू करने के लिए प्रक्रिया निर्धारित कर दी है और 62 ऐसे उद्योग को भी चिह्नित किया है, जिसके लिए यह पैसे दिए जाएंगे. इसके लिए ऑनलाइन आवेदन प्राप्त किए जाएंगे. इस योजना का लाभ उठाने के लिए मापदंड यह है कि गरीब परिवार की आमदनी 6000 रुपये महीने से ज्यादा नहीं होनी चाहिए. राज्य सरकार दो-दो लाख रुपये की राशि तीन किस्तों में देगी, जिसमें पहली किश्त 25 फीसदी होगी जबकि दूसरी किश्त 50 फीसदी होगी. वहीं, तीसरी किश्त 25 फीसदी होगी. आगामी लोकसभा चुनाव से पहले बिहार सरकार के इस फैसले को नीतीश कुमार का मास्टरस्ट्रोक माना जा रहा है, जिसके जरिए राज्य सरकार 94 लाख से भी ज्यादा गरीब परिवारों को आर्थिक मदद कर रही है.

छात्रसंघ चुनाव की चर्चा तेज, कब चुनाव कराएगी मोहन सरकार?

भोपाल। मध्यप्रदेशमें लंबे समय से छात्रसंघ चुनाव (नहीं हुए हैं, प्रदेश की राजनीति में बीच-बीच में चुनाव की चर्चा चलती रहती है. सीएम मोहन यादव पिछली सरकार में जब उच्च शिक्षा मंत्री थे, तो उन्होंने छात्रसंघ चुनाव कराने की बात कही थी. ऐसे में अब जब राज्य की बागडोर ही सीएम मोहन यादव के हाथ में हैं तो फिर से छात्रसंघ चुनाव की चर्चा तेज हो गई है, जिसका संकेत इस साल के शैक्षणिक कैलेंडर में भी मिला है. जिससे फिर से प्रदेश में 'राजनीति की पहली पाठशाला' यानि छात्र संघ चुनाव की सुगबुगाहट तेज होती नजर आ रही है. मध्य प्रदेश सरकार अब छात्र संघ चुनावों को लेकर एक्टिव नजर आ रही है. इसको लेकर उच्च शिक्षा विभाग भी तैयारी में जुट गया है, उच्च शिक्षा विभाग का जो शैक्षणिक कैलेंडर जारी किया गया है, उसमें अगस्त-सितंबर में छात्रसंघ चुनाव का उल्लेख है. ऐसे में इस बात की चर्चा तेज हो गई हैं कि इस साल प्रदेश में छात्र संघ के चुनाव जरूर होंगे. क्योंकि राजनीति की पहली पाठशाला कॉलेजों से ही शुरू होती है, जहां से कई बड़े नेता निकल चुके हैं. मध्य प्रदेश के वर्तमान में मोहन यादव ने पिछली सरकार में उच्च शिक्षा मंत्री रहते हुए खुद छात्र संघ चुनाव की पेशकश की थी. लिहाजा अब डॉक्टर मोहन यादव मुख्यमंत्री बनने के बाद इसकी संभावना बढ़ गई है, आखरी बार 1992 में प्रत्यक्ष प्रणाली से चुनाव हुए थे, जबकि उच्च शिक्षा मंत्री रहते हुए डॉक्टर मोहन यादव ने प्रत्यक्ष प्रणाली से चुनाव कराने का जिक्र किया था. ऐसे में माना जा रहा है कि अगर अगस्त-सितंबर माह तक छात्रसंघ के चुनाव होते हैं तो चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से ही होने की उम्मीद है.

सावधान जाहिर सूचना

ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महू जिला इन्दोर म.प्र खसरा न. 72 वा अन्य खसरो कृषि भूमि के सम्बन्ध मे।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महू जिला इन्दोर म.प्र मे स्थित कृषि भूमि विजय पिता राम भरोसे तिवारी से छल कर फरेब से सोची समझी चाल चल कर जिसका खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो को लिख कर 8 विक्रय पत्रो के लिए कूटरचित भाषा लिख कर दस्तावेज तयार कर वा फर्जी चेको को दे कर जालसाजी और 420 से विक्रय पत्रों का पंजीयन करवाया गया है इन सभी के नाम इस प्रकार है सुमित प्रकाश पाटनी पिता मणिक चन्द पाटनी, अरुणा पाटनी पति सुमित प्रकाश पाटनी,अनिल कुमार पंवार पिता मोहन सिंह पंवार, राहुल जैन पिता राकेश जैन, आनंद कसेरा पिता लक्ष्मणदास कसेरा राकेश जैन पिता स्व.नवीन चन्द जैन,पार्वती जैन पति बक्षीराम जैन, पवन जैन पिता बक्षीराम जैन इन सभी के खिलाफ पुलिस में जांच चल रही है कोर्ट में केस पेंडिंग है अत- कृषि भूमि खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो का सौदा किया गया था जिसका भुगतान राशि चेको के माध्यम से की गई थी पर चैक अनादरण होने से सौदा 2018 में निरस्त किया जा चुका है जिसकी सूचना पेपर विग्यप्ति के माध्यम से पहले ही सूचना दी जा चुकी है अत- इन सभी विक्रय पत्रो के संदर्भ मे किसी भी व्यक्ति, संस्था या बैंक आदि से कर्ज हेतू प्राप्त करता है या इन रजिस्ट्री के माध्यम से विक्रये करता है तो इस की जवाब देयी किसान भूमि मालिक की नही होगी अत : होने पर पुलिस कार्रवाई की जाएगी।

सिंगल कॉलम

इंदौर में जारी श्रीराम महायज्ञ में दी 30 हजार आहुतियां

इंदौर। संगम नगर स्थित मनोकामना पूर्ण दुर्गा माता मंदिर में दिनभर प्रभु श्रीराम के नाम से चल रहे श्रीराम महायज्ञ में स्वाहाकार की मंगल ध्वनि से गुंजायमान बना रहा। राम रक्षा स्त्रोत एवं हनुमान चालीसा के 108-108 पाठ द्वारा देवताओं का वास्तु मंडल पूजन, चौसठ योगिनी, क्षेत्रपाल, सर्वतोभद्र मंडल तथा कुंडस्थ देवताओं के पूजन के बाद नवग्रह मंडल तथा असंख्यात रूद्र मंडल की स्थापना भी संपन्न हुई।यज्ञ समिति के संयोजक पं. योगेन्द्र महंत एवं उद्योगपति योगेश मेहता ने बताया कि यज्ञाचार्य पं. रामचंद्र शर्मा वैदिक के निर्देशन में 21 विद्वान ब्राह्मणों ने प्रथम सत्र में सुबह पांच कुंडों पर भगवान श्रीराम के नाम से आहुतियों का सिलसिला शुरू किया, जो शाम को दूसरे सत्र के समापन तक 30 हजार आहुतियों तक पहुंच गया। यज्ञशाला के पांचों कुंडों पर अष्ट दिवसीय श्रीराम महायज्ञ में आहुतियों का सिलसिला सुबह-शाम दोनों सत्रों में जारी रहने से समूचा क्षेत्र श्रीराम मय बना हुआ है। इस दौरान सैकड़ों श्रद्धालु मंदिर परिसर स्थित यज्ञशाला की परिक्रमा भी लगाते रहे। अनेक श्रद्धालु अपने हाथों में प्रभु श्रीराम का चित्र लेकर राम नाम जपते हुए शामिल हुए। इनमें दिव्यांग, दृष्टिहीन एवं मूक बधिर श्रद्धालु भी शामिल थे। विद्वान ब्राह्मणों ने पुरुष सूक्त से आहुतियां समर्पित की। यज्ञ 22 जनवरी तक प्रतिदिन सुबह-शाम, दो सत्रों में जारी रहेगा। महायज्ञ के आचार्य पं. रामचंद्र शर्मा वैदिक ने बताया कि यज्ञ की पूर्णाहुति 22 जनवरी को ठीक उस समय होगी, जब अयोध्या में रामलला के मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा संपन्न होगी। इस दौरान स्कीम 51, संगम नगर में भी आकर्षक आतिशबाजी एवं आकर्षक दीपोत्सव भी मनाया जाएगा। प्रतिदिन यज्ञ के दौरान राम रक्षा स्त्रोत, हनुमान चालीसा के 108 पाठ, सुंदरकांड पाठ एवं राम नाम के जाप भी असंख्य श्रद्धालु मनोकामनापूर्ण दुर्गा माता मंदिर पर करेंगे। यज्ञ में पुरुष सुक्त की वैदिक ऋचाओं से विद्वान ब्राह्मण एवं यजमान पांच विविध आकृतियों के आकर्षक कुंडों पर आठ दिनों में 1 लाख 60 हजार आहुतियां प्रभु श्रीरामजी को समर्पित करेंगे।

सालों से लंबित एलिवेटेड कारिडोर अब लेगा आकार, मुख्यमंत्री मोहन यादव आज करेंगे शिलान्यास

एलआईजी से नवलखा तक एलिवेटेड कारिडोर बनाने का कार्य सालों से लंबित है। शहर के जनप्रतिनिधि और अधिकारी टेंडर होने के बाद भी इस कारिडोर का काम शुरू नहीं करा पा रहे थे। अब इस कारिडोर का काम शुरू होने वाला है। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव बुधवार को एलिवेट कारिडोर का शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री यादव बुधवार को शहर पहुंचेंगे और बड़ा गणपति से राजवाड़ा तक रोड शो करेंगे। राजवाड़ा पर देवी अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद एलआईजी से नवलखा तक बनने वाले कारिडोर का शिलान्यास करेंगे। राजवाड़ा पर होने वाले शिलान्यास कार्यक्रम में एलीवेटेड ब्रिज की वीडियों भी दिखाई जाएगी।लोक निर्माण विभाग द्वारा एलआई से नवलखा तक 6.70 किमी लंबा एलिवेटेड कारिडोर बनाया जाएगा। इसको बनाने की लागत 350 करोड रुपये आएगी। इसकी चौड़ाई 15.50 मीटर एवं भू-तल से पुल की ऊंचाई 10 मीटर प्रस्तावित है।

यहां उतरेगी भुजाएं

एलिवेटेड कारिडोर की एक भुजा एलआईजी से शुरू होगी और नवलखा पर उतरेगी। इसमें यात्रियों की सुविधा के लिए तीन भुजाएं भी बनाई जाएगी। एक भुजा गिटार चौराहे पर उतरेगी, जबकि गीता भवन चौराहे पर मधुमिलन चौराहे की तरफ और शिवाजी वाटिका चौराहे पर पीपल्याहाना की तरफ उतरेगी।इस पूल को पूरा करने का लक्ष्य 24 माह तय किया गया है।

एबी रोड पर राह होगी आसान

एबी रोड पर एलिवेट कारिडोर बनने से वाहनों की राह आसान होगी। एलआईजी चौराहे से वाहन कारिडोर होते हुए सीधे नवलखा पहुंच जाएगी।जबकि तीन चौराहों पर वाहनों के उतरने और चढ़ने के लिए भुजाएं भी बनाई जाना प्रस्तावित है। एबी रोड पर वैसे भी लाखों वाहन का आवागमन प्रतिदिन है।

श्रीराम के नाम पर बना रहे वाटिका प्रभातफेरी से हो रहा राम नाम का गुणगान

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। अयोध्या में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में इन दिनों पूरा देश उल्लासित है। इंदौर के रहवासी संगठन और सामाजिक संस्थाओं द्वारा भी इस उत्सव को अलग तरह से बनाया जा रहा है। कहीं प्रभातफेरी निकालकर राम नाम की धुन से दिन की शुरुआत हो रही है तो कहीं श्रीराम वाटिका तैयार करने का बीड़ा उठा लिया गया है।नर्मदा चौराहे से रेती मंडी तक के बीच खाली ग्रीन बेल्ट में श्रीराम वाटिका बनाने की शुरुआत रहवासियों ने कर दी है। राजेंद्र नगर व आसपास के रहवासियों द्वारा यह कार्य किया जा रहा है। वाटिका में विभिन्न प्रजातियों के 1008 पौधे रोपित किए गए। पौधारोपण के पहले मंत्रोच्चार किया गया। जिस तरह धार्मिक अनुष्ठान में मंत्रों के साथ संकल्प लिया जाता है, उसी तरह पौधारोपण करने वालों को पौधों के संरक्षण का संकल्प दिलाया गया। सुनील धर्माधिकारी बताते हैं कि एक वर्ष पूर्व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा क्षेत्र के रहवासियों को पौधे तैयार करने के लिए बीज दिए गए थे। रहवासियों ने उन बीजों से तो पौधे तैयार किए। अपने स्तर पर भी प्रयास कर पौधे तैयार किए। प्राण प्रतिष्ठा उत्सव को ध्यान में रखते हुए यह पौधे एक वाटिका में लगाए गए और इसे श्रीराम वाटिका नाम दिया गया। यहां आम, पीपल, वट, गूलर, बिल्व, आंवला सहित उन पौधों को लगाया गया है, जिनका उल्लेख वाल्मीकि रामायण में मिलता है। पर्यावरण प्रेमी नागरिक मनीष जोशी के मार्गदर्शन में ये पौधे लगाए गए हैं। निकल रही है प्रभातफेरी घने कोहरे के बीच भी सुबह 5.30 बजे कुछ युवा केशव नगर के शिव मंदिर में एकत्र होकर करीब एक घंटे राम नाम संकीर्तन करते हैं। श्री खाटू श्याम गोसेवा समिति द्वारा क्षेत्र की विभिन्न कालोनियों में प्रभातफेरी निकाली जा रही है। झांझ-मंजीरा और घडियाल लिए टोली 'जय सियाराम जय सियाराम जय जय श्रीराम' गाती हुई विभिन्न मार्गों से गुजरती है। इसमें बच्चों से लेकर उम्रदराज लोग तक शामिल हैं। केशव नगर से शुरू होने वाली प्रभातफेरी मां वैष्णोदेवी नगर, बाबू मुराई कालोनी, शक्तिनगर, चौरसिया नगर, पटेल नगर से गजोधर नगर होती हुई केशव नगर में संपन्न होती है। संस्था के महेश गिरि गोस्वामी बताते हैं कि जब प्रभातफेरी निकालने की शुरुआत हुई थी तो महज पांच लोग शामिल थे। अब विभिन्न कालोनियों के लोग इसमें शामिल हो गए हैं। 26 दिसंबर से यह प्रभातफेरी निकालने का क्रम शुरू हुआ। पहले तो सोचा था कि यह सिलसिला 22 जनवरी तक ही जारी रखेंगे, लेकिन अब इसमें इतना आनंद आने लगा है कि इसे आगे भी जारी रखा जाएगा।

मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव आज इंदौर में रोड शो कर जनता का करेंगे धन्यवाद

सिटी चीफ इंदौर।

मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव बुधवार को इंदौर प्रवास पर रहेंगे। वे शाम चार बजे एयरपोर्ट पहुंचेंगे और सवा चार बजे बड़ा गणपति मंदिर पहुंचकर दर्शन-पूजन करेंगे। इसके बाद शाम 4.20 बजे बड़ा गणपति मंदिर से शुरू होने वाले रोड शो में शामिल होंगे। वे शाम 5.50 बजे राजवाड़ा पहुंचकर स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे।यहां वे एलिवेटेड कारिडोर का शिलान्यास भी करेंगे। डा. यादव शाम 6ः30 बजे विश्राम बाग पहुंचकर यहां स्क्रैप मटेरियल से बने श्रीराम मंदिर की प्रतिकृति का लोकार्पण भी करेंगे। शाम सात बजे इंदौर एयरपोर्ट पहुंचकर भोपाल के लिए रवाना हो जाएंगे। तीन विधानसभा क्षेत्रों से गुजरेगा मुख्यमंत्री का रोड शो मुख्यमंत्री का रोड शो तीन विधानसभा क्षेत्रों से गुजरेगा। यह विधानसभा क्षेत्र एक के बड़ा गणपति से शुरू होकर विधानसभा क्षेत्र तीन में आने वाले राजवाड़ा पर समाप्त होगा। रोड शो का कुछ हिस्सा विधानसभा क्षेत्र चार से लगने वाले इलाके से भी गुजरेगा।

पुलिसकर्मियों ने कान्ट्रेक्टर का सिर फोड़ा रिपार्ट में लिखा-भानजे व भतीजे से लड़ते पकड़ा

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर विजय नगर थाने के पुलिसकर्मियों ने सिविल कान्ट्रेक्टर गजेंद्रसिंह की पिटाई कर सिर फोड़ दिया। रातभर लाकअप में बंद रखा और रोजनामचा में लिखा कि वह भानजे और भतीजे से झगड़ा कर रहे थे। आपसी विवाद में जख्मी हुए हैं। तीनों को धारा 151 में गिरफ्तार कर दूसरे दिन छोड़ा। मामले में पुलिस आयुक्त जांच के आदेश दिए हैं।घटना 6 जनवरी की रात करीब सवा 12 बजे की है। संगम नगर निवासी गजेंद्रसिंह सिसोदिया का भतीजा अभिप्रज्ञसिंह जन्मदिन का केक लेने आया था। कार में भानजा विश्वराजसिंह व अमनदीप भी थे। विजय नगर थाना के समीप जवानों ने कार रोकी और कहा कि तुम नशे में हो। आरोप है कि जवानों ने कार छोड़ने के बदले रुपये मांगे और जबरदस्ती थाने ले गए। अभिप्रज्ञ एलएलबी का छात्र है। पुलिसवालों से बहस करने पर पुलिसकर्मी पिटाई करने लगे। करीब साढ़े 12 बजे गजेंद्रसिंह थाने पहुंचे और मारपीट का कारण पूछा। पुलिसकर्मियों ने पिटाई के सबूत मांगे पुलिसकर्मियों ने घेर लिया। टीआइ से शिकायत की तो पीटा टीआइ से शिकायत करने पर जवान शीतल राव, अंबिका पटेल, नीरज मीणा, प्रमोद सेंगर व दो अन्य पुलिसकर्मी गजेंद्र, अभिप्रज्ञ, विश्वराज को ले जाकर पीटने लगे। गजेंद्र का सिर फोड़ दिया और मोबाइल छीन लिया। रात में ही मेडिकल परीक्षण करवाया और तीनों के खिलाफ धारा 151 के तहत कार्रवाई कर दी। पुलिस ने यह लिखा रिपोर्ट में पुलिस ने रिपोर्ट में लिखा कि गजेंद्र व उनका भानजा, भतीजा आपस में झगड़ा कर रहे थे। तीनों को शांति भंग करते हुए गिरफ्तार किया गया है। गजेंद्र का आरोप है कि पुलिसवालों ने घर पर बात तक नहीं करने दी। रात करीब 2 बजे पत्नी आई तो उनके साथ भी अभद्रता की। मामले में गजेंद्र ने मंगलवार को पुलिस आयुक्त मकरंद देऊस्कर को शिकायत दर्ज करवाई है। आयुक्त ने जोन-2 के डीसीपी अभिषेक आनंद को जांच के आदेश दिए हैं।

सरयू नदी का जल और रेत हाथ में लेकर लिया था संकल्प

सिटी चीफ इंदौर।

सरयू नदी का जल और रेत हाथ में लेकर लिया था संकल्प

इंदौर। वह पल मैं कभी नहीं भूल सकता जब विवादित ढांचे को गिराया गया था। हजारों लोग वहां मौजूद थे। हमें तो क्या कई कार सेवकों को इस बात का अहसास नहीं था कि ढांचा गिरा दिया जाएगा। हम सब तो वहां साध्वी ऋतंभरा का भाषण सुन रहे थे और अचानक विवादित ढांचे को तोड़ने का कार्य शुरू हो गया। मंच से भी कई बार कहा गया कि ढांचा नहीं तोड़ा जाए, लेकिन वहां सुनने वाला कौन था। शाम होते-होते तो पूरा ढांचा जमींदोज हो चुका था। एक दिन पहले तक जिस क्षेत्र में हमने बरात को गुजरते देखा था, वहां भगदड़ मची थी।यह कहना है कार सेवक और उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी के निदेशक जयंत भिसे का, जो अयोध्या में उस वक्त मौजूद थे। भिसे कहते है कि जब मैं वर्ष 1992 में दिसंबर में 100 साथियों के साथ इंदौर से अयोध्या के लिए रवाना हुआ था, तब मेरी उम्र 37 वर्ष थी। अयोध्या जाने वाले हम सेवकों के लिए 100-100 सदस्यों का दल बनाया गया था, जिसे वाहिनी नाम दिया गया था। इंदौर से हम ट्रेन से रवाना हुए और फैजाबाद पहुंचे। उसके आगे का सफर हमें पैदल पूरा करना था। असली सफर तो वहीं से शुरू हुआ था। जब फैजाबाद पहुंचे तो हमारे ठहरने का इंतजाम एक विद्यालय में था, जहां सूखी घास बिछी थी और उस पर हमें अपनी चादर बिछाकर सोना था। रात को इंदौर से गए कार सेवकों की दिनेश गुप्ता ने सभा ली और सभी ने सरयू नदी का जल व उसकी रेत हाथ में लिए राम मंदिर बनवाने का संकल्प लिया। सुबह फैजाबाद से अयोध्या पैदल गए और व्यवस्था बिगड़े नहीं, इसलिए पांच-पांच कार सेवकों का समूह बनाकर उस पर एक मानीटर नियुक्त किया गया। हम तो भाषण सुन ही रहे थे और विवादित ढांचा तोड़ना शुरू हो गया। उसके बाद तो भगदड़, पत्थरबाजी और दंगे शुरू हो गए। वहां से फैजाबाद लौटते वक्त कई लोगों को चोट लगी, लेकिन मार्ग में स्थानीय लोगों ने हर संभव मदद की। हमारे समूह में कई कार सेवक ऐसे थे जो अपने साथ विवादित ढांचे की ईंट लेकर आए। फैजाबाद से इंदौर लौटने पर इंदौर रेलवे स्टेशन से पुलिस के संरक्षण में हमें घर पहुंचाया गया।

जहरीली गैसों से तुरंत अलर्ट करेगी आइआइटी इंदौर में बनी डिवाइस

सिटी चीफ इंदौर।

उद्योगों, सीवरेज और कोयला खदान में कई बार जहरीली गैसों से बड़े हादसे हुए हैं। दिसंबर, 1984 में भोपाल गैस हादसा भी जहरीली गैस लीक होने से हुआ था। तब इन गैसों की निगरानी के लिए कोई डिवाइस उपलब्ध नहीं थी। अब भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-इंदौर (आइआइटी) में ई-नोज डिवाइस तैयार की गई है जो जहरीली गैसों की निगरानी करने के साथ उनके रिसाव पर अलर्ट जारी करेगी।गैसों की अधिक मात्रा होती खतरनाक यह डिवाइस तैयार करने वाली आइआइटी इंदौर की टीम का कहना है कि यह औद्योगिक परिसर या सीवरेज के 20 मीटर के दायरे में गैस का रिसाव होने पर तत्काल सूचित करेगी। टीम में आइआइटी के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के शोधार्थी चंद्रभान पटेल, सुमित चौधरी, विकास वर्मा, रंजन कुमार व मयंक दुबे शामिल हैं। चंद्रभान पटेल बताते हैं कि हमने ई-नोज डिवाइस फार गैस सेंसर जहरीली गैसों की निगरानी के लिए तैयार की है। उद्योगों, खदान और सीवरेज में हाइड्रोजन सल्फाइड, कार्बन मोनोआक्साइड, कार्बन डाईआक्साइड और नाइट्रोजन डाईआक्साइड ?गैस पाई जाती हैं। इन गैसों की जब मात्रा जब वातावरण में निर्धारित मापदंड से अधिक हो जाती है तो यह मनुष्य के लिए खतरनाक हो जाती हैं।

एप से जुड़ी डिवाइस जहरीली गैसों की निगरानी करने वाली डिवाइस को मोबाइल एप क्रांटेक एल 2 से जोड़ा गया है। इससे गैसों के स्तर की रियल टाइम रिपोर्ट मिलती रहेगी। लीक होने पर एप तुरंत अलर्ट जारी करेगा और उस स्थान पर लगा अलार्म बजने लगेगा। इसके अलावा डिवाइस में लगे जीएसएम द्वारा आपातकाल के लिए दिए गए नंबरों पर तत्काल काल पहुंचेगी और रिकार्डेड वाइस मैसेज चालू हो जाएगा। इस तरह इससे बड़े हादसे टाले जा सकेंगे। इसकी कीमत 15 से 20 हजार रुपये के बीच रहेगी।

इंदौर की अवैध कालोनी में बन रहे मकान दुकान जमींदोज, 20 से ज्यादा निर्माण तोड़े

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। नगर निगम की टीम ने मंगलवार को चंदन नगर और खंडवा रोड क्षेत्र में अवैध निर्माण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। चंदन नगर क्षेत्र में अवैध कालोनी में लोगों ने मकान-दुकानें बनाना शुरू कर दिया था। काम अब भी जारी था। मंगलवार दोपहर नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची तो लोगों ने कार्रवाई का विरोध शुरू कर दिया। भवन अधिकारी गजल खन्ना ने बताया कि यहां करीब 20 दुकानें जमींदोज की गई हैं। लोगों ने पक्के निर्माण कर लिए थे। यह जमीन ग्रीन बेल्ट में भी शामिल है। यहां जफर खान और कुछ अन्य ने मिलकर अवैध कालोनी काट दी थी। इस कालोनी में प्लाटों पर निर्माण भी शुरू हो गया था। खंडवा रोड क्षेत्र में जमींदोज किए अवैध निर्माण निगम की टीम ने मंगलवार को खंडवा रोड क्षेत्र में भी अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की। सहायक रिमूवल अधिकारी बबलू कल्याणे ने बताया कि यहां भी बगैर अनुमति निर्माण कर लिए गए थे। कुछ जगह ग्रीन बेल्ट की जमीन पर पक्के निर्माण कर अवैध कब्जा कर लिया गया था। निगम की टीम ने अवैध निर्माण तोड़ दिए। कार्रवाई के दौरान कुछ जगह विवाद की स्थिति भी बनी।

सिख समाज के दसवें गुरु गोबिंदसिंह के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में कीर्तन

सिटी चीफ इंदौर।

शहर में विभिन्न धार्मिक-सामाजिक और सांस्कृतिक संगठनों के कार्यक्रम 17 जनवरी को होंगे। इसमें सिख समाज के दसवें गुरु गोबिंदसिंह के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में कीर्तन दीवान होगा। इसके अलावा शहर में श्रीराम कथा भी सुनाई जा रही है और भागवत कथा का भी पाठ हो रहा है। आज शहर में साहित्यकारों की राष्ट्रीय संगोष्ठी भी होगी और देशभक्ति के तराने भी गूंजेंगे। आप भी इन आयोजन का हिस्सा बन सकते हैं।- संगम नगर स्थित मनोकामना पूर्ण दुर्गा माता मंदिर पर पचंकुंडीय श्रीराम महायज्ञ आयोजित किया जा रहा है।इसमें सुबह 9 बजे से प्रथम सत्र में विद्वान ब्राह्मणों के निर्देशन में प्रायश्चित कर्म, विष्णु पूजन, पंचांग कर्म आदि शास्त्रोक्त विधानों होंगे। यज्ञ प्रतिदिन दो पारियों में सुबह 9 से 12 एवं दोपहर 3 से 6 बजे तक होगा। सिख समाज के दसवें गुरु गोबिंद सिंह के प्रकाश पर्व के उपलक्ष में तीन दिनी कीर्तन समागम आयोजित किया जा रहा है। राजमोहल्ला स्थित खालसा कालेज में प्रकाश पर्व का विशेष दीवान सुबह से दोपहर 3 बजे तक सजाया जाएगा। इसमें सुबह नितनेम साहिब का सामूहिक पाठ व सिमरन किया जाएगा। ऐतिहासिक गुरद्वारा इमली साहिब जी के हजूरी रागी जत्था गरदयाल सिंह द्वारा शब्द कीर्तन किया जाएगा। सुबह सुखमनी साहब का सामूहिक पाठ श्री सुखमनी साहब सेवा सोसायटी इंदौर द्वारा किया जाएगा। आज शहर में साहित्यकारों का मेला लगेगा और यदि आप भी साहित्य का आनंद लेना चाहते हैं तो श्री मध्यभारत हिंदी साहित्य समिति पहुंच जाएं। यहां सुबह 10 बजे से दो दिनी राष्ट्रीय संगोष्ठी जी-20 और वैश्विक हिंदी विषय पर हो रही है। देश के बलिदानियों के प्रति यदि आपके मन में श्रद्धा है तो अपने श्रद्धासुमन रीगल सर्कल पर बनी इंडिया गेट की प्रतिकृति पर जाकर अर्पित कर सकते हैं। सुबह 10 बजे से यहां स्कूली विद्यार्थियों को देशभक्ति के तराने गाते हुए भी सुन सकते हैं। गोयल पारमार्थिक ट्रस्ट के तत्वावधान में रामकथा महोत्सव गीता भवन मनोरमागंज में आयोजित किया जा रहा है। दोपहर 2 बजे से यहां महामंडलेश्वर स्वामी भास्करानंद महाराज द्वारा श्रीराम कथा का वाचन किया जाएगा।

राज्यों की स्टार्टअप रैंकिंग में मध्य प्रदेश लीडर के रूप में सम्मानित

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्य प्रदेश को वर्ष 2022 की राज्यों की स्टार्टअप रैंकिंग में लीडर के रूप में सम्मानित किया। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को भारत मंडपम में आयोजित राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस कार्यक्रम में मध्य प्रदेश को सम्मानित किया। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग के संचालक रोहित सिंह ने यह सम्मान ग्रहण किया।स्टेट्स स्टार्टअप रैंकिंग फ्रेमवर्क 2022 परिणाम के अनुसार एक करोड़ से अधिक जनसंख्या वाले श्रेणी ए राज्यों में बेस्ट परफार्मर के रूप में गुजरात, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु को पुरस्कृत किया गया। इसी तरह टाप परफार्मर वाले राज्यों में

महाराष्ट्र, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, तेलंगाना राज्य सम्मानित हुए। वहीं, स्टार्टअप रैंकिंग में लीडर के क्षेत्र में आंध्र प्रदेश प्रथम, असम द्वितीय और तीसरे नंबर पर मध्य प्रदेश सम्मानित हुआ। इसी तरह रैंकिंग में चौथे नंबर पर उत्तर प्रदेश और पांचवें नंबर पर उत्तराखंड है। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश सरकार ने फरवरी 2022 में नई स्टार्टअप नीति जारी की थी। इसके परिणाम स्वरूप राज्य में मान्यता प्राप्त स्टार्टअप की संख्या में दो वर्ष में 108 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। राज्यों की स्टार्टअप रैंकिंग का उद्देश्य प्रतिस्पर्धी और सहकारी संघवाद की भावना को बढ़ावा देना है। इससे स्टार्टअप को प्रोत्साहन मिल रहा है। स्टार्टअप रैंकिंग में प्रदेश के उच्च शिक्षा संस्थानों में स्टार्टअप उद्यम के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए एक कुशल तंत्र बनाने की पहल के लिए विशेष रूप से मान्यता दी गई है। मध्य प्रदेश में स्टार्टअप इकोसिस्टम के हितधारकों के लिए इंटरएक्टिव पोर्टल का निर्माण और स्टार्टअप को निवेशकों से सतत संवाद के लिए मंच उपलब्ध कराने के लिए निवेशक-स्टार्टअप बैठकें आयोजित करने जैसे प्रयासों को भी सराहा गया है।

श्वानों के खिलाफ कार्रवाई में बाधक 10 पशु प्रेमियों पर एफआइआर दर्ज

सिटी चीफ भोपाल।

राजधानी में अवारा श्वानों के हमले की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। हालांकि नगर निगम के कर्मचारी इन्की धरपकड़ में लगे हैं। लेकिन इसमें पशु प्रेमी बाधक बन रहे हैं। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अब तक नगर निगम द्वारा 10 पशुप्रेमियों के खिलाफ एफआइआर दर्ज कराई जा चुकी है। मीनाल क्षेत्र में कुत्तों को पकड़ने के दौरान डाग स्क्वायड से बदसलूकी करने वाले पांच पशु प्रेमियों के खिलाफ निगम ने शासकीय कार्य में बाधा सहित गाली-गलौज व अन्य मालमों में एफआईआर दर्ज कराई थी। जबकि दो दिन पहले एक महिला पेट लवर्स और उसके दो बेटों के खिलाफ डाग स्क्वायड को बुलाने वाले व्यक्ति के साथ गाली-गलौज और मारपीट करने के मामले में पिपलानी पुलिस ने एफआईआर

दर्ज की। इसी तरह सोमवार को सांईबाबा नगर में एक व्यक्ति ने दो पेट लवर्स के खिलाफ गाली-गलौज और मारपीट की धाराओं में मामला दर्ज कराया। पेट लवर्स डॉग स्क्वायड को बुलाने से नाराज थे। युवतियां करती हैं बदसलूकी और झूमाझटकी डाग स्क्वायड प्रभारी राकेश शर्मा ने बताया कि पशु प्रेमी डाग स्क्वायड के साथ अभद्रता कर रहे हैं। इनमें ज्यादातर युवतियां, महिलाएं और बच्चे हैं। ये लोग खुलेआम निगम कर्मियों को धमकाते हैं। पकड़े गए स्ट्रीट डाग्स को छीन लेते हैं। महिलाएं, युवतियां और बच्चे होने की वजह से डॉग स्क्वायड कुछ नहीं कर पाता।

कैबिनेट में आज होगा पीएम जनमन योजना का प्रस्तुतीकरण, बजट में प्रविधान

सिटी चीफ भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की अध्यक्षता में बुधवार को मंत्रालय में कैबिनेट की बैठक होगी। इसमें पीएम जनमन योजना को लेकर प्रस्तुतीकरण दिया जाएगा।उल्लेखनीय है कि पीएम जनमन योजना में विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा, भारिया और सहारिया को आवास उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके लिए राज्य सरकार द्वारा बजट में प्रविधान किया जाएगा।

पीएम जनमन योजना से जुड़ा प्रस्ताव रखा जाएगा

मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारियों ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में पीएम जनमन योजना से

जुड़ा प्रस्ताव रखा जाएगा। केंद्र सरकार की इस योजना में 40 प्रतिशत अंशदान राज्य सरकार का रहेगा। इसमें योजना के लिए राज्य बजट में प्रविधान किया जाएगा। विभागीय जांच संबंधी प्रस्तावों पर भी निर्णय संभव जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारियों द्वारा योजना को लेकर बैठक में प्रस्तुतीकरण भी दिया जाएगा। इसके अलावा कुछ विभागीय जांच संबंधी प्रस्तावों पर भी बैठक में निर्णय लिया जा सकता है।

परीक्षा केंद्र में परिवर्तन को लेकर स्कूल संचालक ने डीइओ कार्यालय के कर्मचारी से मारपीट की

सिटी चीफ भोपाल।

मप्र बोर्ड 10वीं व 12वीं परीक्षा के परीक्षा केंद्र में परिवर्तन से नाराज स्कूल संचालक ने एक दर्जन समर्थकों के साथ जिला शिक्षा अधिकारी (डीइओ) में पदस्थ एक कर्मचारी की जमकर पिटाई लगा दी। कर्मचारी की पिटाई का मामला थाने पहुंचा,लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हो सकी। वहीं डीइओ कलेक्टर के साथ बैठक में व्यस्थ थे। दरअसल मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10वीं व 12वीं की परीक्षा के केंद्रों का निर्धारण की प्रक्रिया चल रही है। भोपाल जिले में करीब 103 परीक्षा केंद्र बनाए गए है। इसमें अशोका गार्डन इलाके में संचालित एमपी विकास कांवेंट

स्कूल के बच्चों को पिछले साल लक्ष्मी मंडी स्कूल परीक्षा केंद्र बनाया गया था। इस साल स्कूल का परीक्षा केंद्र अन्य जगह पर परिवर्तन कर दिया है। इससे नाराज एमपी कांवेंट स्कूल के संचालक मंगलवार को डीइओ कार्यालय में डीईओ से बात करने पहुंचे। डीईओ संचालक की बातों का ठीक ढंग से जबाव नहीं दे पाए, तो उन्होंने कर्मचारी सुरेश शर्मा को कक्ष में बुला लिया। सुरेश शर्मा को परीक्षा केंद्रों के संबंध में कोई जानकारी नहीं थी। इससे स्कूल संचालक ज्यादा नाराज हो गए। दोनों में विवाद हो गया। कुछ देर में संचालक प्रेम ठाकुर अपने करीब एक दर्जन समर्थकों को बुला लिया। इससे हंगामा बढ़ गया। कुछ ही देर में टीटी नगर थाने की पुलिस भी पहुंच गई। इसी बीच डीईओ कलेक्टर कार्यालय में कलेक्टर से मीटिंग का बोलकर निकल गए।दोनों पक्ष थाने पहुंचे,लेकिन कोई मामला दर्ज नहीं हो सका। वहीं, मामले में प्रायवेट स्कूल संचालकों ने मंत्री स्कूल शिक्षा राव उदय प्रताप सिंह से मुलाकात कर डीईओ अंजनी कुमार त्रिपाठी को हटाने की मांग की है। इनका कहना है केवल हमारे स्कूल के परीक्षा केंद्र को ही परिवर्तन किया गया है।

उत्तर भारत से आ रही सर्द हवाओं ने गिराया पूरे प्रदेश का तापमान,6 संभागों में शीतलहर

सिटी चीफ भोपाल।

प्रदेश में वर्तमान में कोई प्रभावी मौसम प्रणाली सक्रिय नहीं है। हवाओं का रुख भी उत्तर-पूर्वी एवं उत्तर-पश्चिमी बना हुआ है। उत्तर भारत कड़ाके की ठंड की चपेट में है। वहां से लगातार आ रही सर्द हवाओं के कारण राजधानी सहित पूरे प्रदेश में रात के तापमान में गिरावट होने लगी है। साथ ही प्रदेश के उत्तरी एवं पूर्वी क्षेत्र में सुबह के समय घना कोहरा भी छा रहा है।प्रदेश में ऐसा रहा तापमान मंगलवार को प्रदेश में सबसे कम 4.6 डिग्री सेल्सियस तापमान रीवा में दर्ज किया गया। प्रदेश के 16 शहरों में रात का तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से कम रहा। हिल स्टेशन पचमढ़ी में रात का पारा 6.2 डिग्री सेल्सियस पर रहा। उधर, मंगलवार को ग्वालियर एवं छतरपुर में तीव्र शीतल दिन रहा। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक अभी तीन-चार दिन तक मौसम का मिजाज इसी तरह बने रहने के आसार हैं। मौसम विज्ञान केंद्र के मौसम विज्ञानी प्रकाश ढवले ने बताया कि प्रभावी मौसम प्रणाली के सक्रिय नहीं होने से वातावरण शुष्क बना हुआ है। उत्तर भारत में

न्यूनतम तापमान काफी कम है। शाम के समय हवाओं को रुख भी उत्तर-पूर्वी एवं उत्तर-पश्चिमी हो जाता है। उत्तर भारत की तरफ से आने वाली सर्द हवाओं से रात के तापमान में गिरावट हो रही है। इस तरह की स्थिति अभी तीन-चार दिन तक रह सकती है।

छाया रहा कोहरा मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्व वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि प्रदेश के ग्वालियर, चंबल, रीवा, सागर, शहडोल और जबलपुर संभाग में न्यूनतम तापमान कम है। बादल भी नहीं हैं। साथ ही सुबह के समय हवा की रफ्तार भी काफी मंद बनी रहती है। इस वजह से लंबे समय तक घना कोहरा छाया रहता है। इसी क्रम में मंगलवार को सुबह के समय खजुराहो, ग्वालियर में दृश्यता 50 मीटर से भी कम रही।

टाफी का लालच देकर छह साल के बच्चे से अश्लील हरकत

सिटी चीफ भोपाल।

राजधानी में एक छह साल के मासूम का अपहरण कर अश्लील हरकत करने का मामला सामने आया है, आरोपित बच्चे को टाफी का लालच देकर उसे अपने घर बुलाया और उसे न्यूड वीडियो दिखाई। बाद में बच्चे को स्वजनों को जब इस घटना का पता चला तो मामले में एफआइआर दर्ज कराई गई। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक इलाके में रहने वाला 6 साल का बच्चा पहली कक्षा में पढ़ता है। बीती एक जनवरी को सुबह करीब ग्यारह बजे वह घर के सामने खेल रहा था, तभी पड़ोस में रहने वाला अजय उसे टाफी दिलाने के लिए अपने घर पर ले गया। कमरे में लेकर जाने के बाद उसने बच्चे को मोबाइल पर गंदी फिल्म दिखाई और उसके कपड़ों के साथ छेड़छाड़ की। बच्चे ने जब घर जाने

की जिद की तो उसने उसे तमाचा मार दिया था। कुछ देर बाद बच्चे के स्वजनों ने उसकी तलाश की तो किसी ने बताया कि वह अजय के घर की तरफ गया था। इसके बाद परिजन बच्चे को लेकर थाने पहुंचे। इस बीच अजय की मां ने परिवार वालों से माफी मांगी तो उन्होंने केस नहीं दर्ज कराया। सोमवार को बच्चे के परिजन उसे कपड़े बदल रहे थे, तब बच्चे ने अजय द्वारा की गई हरकत के बारे में बताया। परिजनों को जब घटना की गंभीरता का पता चला तो वह सोमवार को लेकर दोबारा थाने पहुंचे और अजय के खिलाफ केस दर्ज करवाया। पुलिस ने बताया कि आरोपी अपनी मां के साथ एक रिश्तेदार के प्लाट पर झुग्गी बनाकर रहता था।

जनसुनवाई में बेटी की गुहार- 75 साल की बूढ़ी मां के लिए सिस्टम नाकाम, मुझे इच्छामृत्यु दो

ग्वालियर के मोहना की रहने वाली संध्या वर्मा ने कलेक्टर की जनसुनवाई में मंगलवार को इच्छा मृत्यु की मांग की है। संध्या ने इसलिए इच्छा मृत्यु की मांग की है कि उसकी 75 साल की बूढ़ी मां लकवाग्रस्त है और आर्थिक रूप से परेशान हैं,एसडीएम कार्यालय के एक साल से चक्कर काट रहीं हैं, लेकिन मदद नहीं मिली। आवेदन में लिखा है कि बूढ़ी मां को मदद देने में सिस्टम गैर जिम्मेदार और नाकाम रहा। इस रवैए से संध्या वर्मा दुखी हैं। उन्होंने इच्छा मृत्यु की मांग कर समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की बताई है।मंगलवार को जनसुनवाई में राजस्व सहित अलग अलग तरह की शिकायतें प्राप्त हुईं। सभी विभागों के अधिकारी व एसडीएम शामिल रहे। वहीं नाथू राम मौर्य ने शिकायत की कि उनके घर के बगल में भूरा चिकन शाप खुला हुआ है और नगर निगम की टीम पहुंची तो बोर्ड हटवा दिया और फिर बोर्ड लगा लिया। इस कारण क्षेत्रवासियों को परेशानी होती है।

फर्जी आंकड़े बताकर जीता स्वच्छता का खिताब, हकीकत में जगह-जगह लग रहा कचरे का ढेर

स्वच्छता अभियान के नाम पर हर वर्ष 500 करोड़ रुपये से अधिक खर्च करने वाले नगर निगम में सफाई केवल कागजों में हो रही है। हकीकत इससे अलग है। शहर में जगह-जगह कचरे का ढेर लगा है। लेकिन अधिकारी फर्जी आंकड़े बताकर बीते दो वर्षों से स्वच्छतम राजधानी का खिताब जीत रहे हैं, लेकिन शहर को गंदगी मुक्त बनाने का दावा खोखला साबित हो रहा है। ये हाल तब है, जब शहर की सफाई के लिए 8500 से अधिक सफाई कर्मियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। लोगों के घरों से कचरा एकत्रित करने के लिए 750 से अधिक छोटे-बड़े कचरा वाहन लगाए गए हैं। इनकी मानीटरिंग के लिए अपर आयुक्त से लेकर वार्डों में सफाई दरोगा तक तैनात हैं। फिर भी नगर निगम के कालसेंटर में गंदगी से संबंधित हर माह पांच हजार से अधिक शिकायतें पहुंच रही हैं।

डीएलएड परीक्षा में बिहार की फर्जी परीक्षार्थी पकड़ी, एफआइआर दर्ज

सिटी चीफ भोपाल।

ग्वालियर। डीएलएड की प्रथम वर्ष की परीक्षा में किसी अन्य परीक्षार्थी के स्थान पर फर्जी तरीके से परीक्षा देते हुए एक युवती को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार बिहार की रहने वाली पल्लवी को पुलिस ने हिरासत में लिया है। पता चला है कि यह युवती मंगलवार को मुरार के एक्सिलेंस स्कूल क्रमांक एक में परीक्षार्थी कविता कुमारी के स्थान पर परीक्षा देने पहुंची थी। जब परीक्षा सीएस शिवओम सक्सेना को शक हुआ तो उन्होंने छात्रा का प्रवेश पत्र पर फोटो मिलान किया। फोटो मिलान

नहीं होने पर संदेह गहराया।जब उससे पूछताछ की तो उसने कविता के स्थान पर फर्जी तरीके से परीक्षा देना स्वीकार लिया। इसके बाद सीएस ने मामले की लिखित शिकायत मुरार थाने में दी और आरोपित को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने इस मामले में एफआइआर दर्ज कर पूछताछ शुरू कर दी है।

नौकरी के नाम पर अस्मत मांगने का मामला, साक्षात्कार टीम में शामिल थे बीज निगम सचिव और कृषि विश्वविद्यालय डायरेक्टर

ग्वालियर। नौकरी के नाम पर अस्मत मांगने वाले मामले जो टीम भोपाल से आई थी उसमें खुद बीज निगम के सचिव एसएस बरिया शामिल थे। इसलिए यह मामला और भी पेचीदा हो चुका है, क्योंकि आरोपित जबलपुर में हुए साक्षात्कार के दौरान भी मौजूद रहा। 3 जनवरी को ग्वालियर में हुए साक्षात्कार में राजमाता विजयाराजे सिंधिया विश्वविद्यालय के डायरेक्टर रिसर्च डा संजय शर्मा और ज्वाइंट डायरेक्टर एग्रीकल्चर डा एमएल कोरी दल में शामिल थे। जबकि कनिष्ठ सहायक अनुरूद्ध सोनी और प्रेक्षेत्र उत्पादन अधिकारी संजीव तंतुवे का काम दस्तावेजों का भौतिक सत्यापन करना था।संजीव तंतुवे की बर्खास्तगी के बाद मप्र बीज निगम के अध्यक्ष मुन्नालाल गोयल का कहना है कि इस मामले में आला अफसर भी शामिल हो सकते हैं। इसलिए साक्षात्कार टीम से लेकर विभाग के आला अफसरों की भूमिका की भी जांच होना चाहिए। जिससे यह पता चल सके कि इस तरह के कृत्य में कौन कौन शामिल है। जिससे संबंधित के खिलाफ कार्रवाई हो सके।

जनजातीय संग्रहालय में भील चित्रकार मुकेश बारिया के चित्रों की प्रदर्शनी

सिटी चीफ भोपाल।

शहर में कलात्मक, सांस्कृतिक, सामाजिक, खेल, धार्मिक आदि गतिविधियों का सिलसिला निरंतर चलता रहता है। मंगलवार 16 जनवरी को भी शहर में ऐसी अनेक गतिविधियों का आयोजन होने जा रहा है, जिनका आप आनंद उठा सकते हैं। यहां हम कुछ ऐसे ही चुनींदा कार्यक्रमों की जानकारी पेश कर रहे हैं, जिसे पढ़कर आपको अपनी दिन की कार्ययोजना बनाने में आसानी होगी। माह का प्रादर्श = इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के अंतरंग प्रदर्शनी भवन वीथी संकुल में माह का प्रादर्श टेराकोटा पात्र पर चित्रित मनसा घट को प्रदर्शित किया गया है। बंगाली लोक कला के इस शानदार नमूने का अवलोकन सुबह 11 बजे से

शाम छह बजे तक किया जा सकता है। विश्वविद्यालय स्तरीय युवा उत्सव = बरकतउल्ला विश्विद्यालय के अंतर जिला विश्वविद्यालय स्तरीय युवा उत्सव का शुभारंभ सुबह 11 बजे ज्ञान विज्ञान भवन में होगा। मुख्य अतिथि मप्र के राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल होंगे। चित्रों की प्रदर्शनी= मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय की लिखंदरा दीर्घा में भील चित्रकार मुकेश बारिया के चित्रों की प्रदर्शनी सह-विक्रय किया जा रहा है। प्रदर्शनी को दोपहर 12 बजे से शाम सात बजे तक देखा जा सकता है काव्य संग्रह = सतीश एलिया के काव्य संग्रह ..जैसे गुलमोहर का विमोचन समारोह दोपहर दो बजे माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता विवि के कुलपति प्रो. केजी सुरेश करेंगे। नववर्ष मिलन समारोह= रायल प्रेस क्लब का नववर्ष मिलन समारोह भोपाल हाट स्थित मसाला रेस्टारेंट में आयोजित किया जा रहा है। समय दोपहर एक बजे से शाम पांच बजे तक है।

संपादकीय

खुद को बदल रहा गूगल, एक बड़े फैसले से साफ है संदेश

गूगल वेब पर अपने उपयोगकर्ताओं को कैसे ट्रैक करता है, इसमें वह कई बड़े बदलाव कर रहा है। इसी कड़ी में गूगल ने एक सीमित परीक्षण शुरू किया है, जिसमें वह अपने क्रोम ब्राउजर का उपयोग करने वाले एक फीसदी लोगों के लिए थर्ड पार्टी कुकीज को प्रतिबंधित करेगा। उल्लेखनीय है कि क्रोम दुनिया भर में सबसे ज्यादा लोकप्रिय ब्राउजर है। इस वर्ष के अंत तक गूगल का इरादा है कि वह सभी क्रोम उपयोगकर्ताओं के लिए थर्ड पार्टी कुकीज को समाप्त कर देगा। विश्व के 600 अरब डॉलर वार्षिक ऑनलाइन विज्ञापन उद्योग के इतिहास में यह सबसे बड़े बदलावों में से एक होगा। नब्बे के दशक में कंप्यूटर इंटरनेट की दुनिया में एक छोटी-सी पहल ने लोगों के वेबसाइट इस्तेमाल के अनुभव को उल्लेखनीय तरीके से बदल दिया और इसका श्रेय जाता है नेटवर्क इंजीनियर लू मोंटुल्ली को, जिन्होंने एचटीटीपी कुकी का आविष्कार किया। इस कुकी द्वारा ही हमारा वेबसाइट अनुभव नियंत्रित्र होता है। कुकीज को कई अन्य नामों से भी जाना जाता है, जैसे अति आवश्यक कुकीज, वर्किंग कुकीज, फर्स्ट पार्टी कुकीज, सेकेंड पार्टी कुकीज तथा थर्ड पार्टी कुकीज आदि। वर्तमान में गूगल द्वारा थर्ड पार्टी कुकीज का सपोर्ट बंद किया जा रहा है, जिससे ऑनलाइन विज्ञापन के बाजार में बड़ी हलचल मची हुई है। सामान्य तौर पर कुकीज ऑनलाइन वेबसाइट पर हमारी गतिविधियां ट्रैक करती हैं और उन गतिविधियों से कुकीज देने वाली वेबसाइट को अवगत कराती हैं। मान लीजिए, मुझे हिंदी में वेबसाइट देखनी है, और मैंने भाषा हिंदी चुनी, तो यह गतिविधि वेबसाइट प्रदाता कंपनी को कुकीज के माध्यम से पता चल जाती है और अगली बार जब हम उस वेबसाइट पर जाते हैं, तो हमें भाषा का चुनाव नहीं करना पड़ता। महत्वपूर्ण है कि ऑनलाइन विज्ञापन का बड़ा बाजार इसी बात पर टिका है कि उपभोक्ता क्या चाहता है और यहीं से उपभोक्ता का ब्राउजिंग डाटा महत्वपूर्ण हो जाता है। सवाल उठता है कि फिर थर्ड पार्टी कुकीज बंद होने पर इतना हंगामा क्यों हो रहा है, तो उसका कारण यह है कि थर्ड पार्टी कुकीज प्राय: वेबसाइट सेवा प्रदाता के अनुबंध के कारण किसी अन्य सेवा प्रदाता द्वारा प्रदान की जाती है, जो हमारे अनुभव से इतर यह रिकॉर्ड करती है कि हम वेबसाइट या ऑनलाइन क्या कर रहे हैं। अगर इसे ऐसे समझें कि हमने गूगल पर जूते सर्च किए और उसके बाद हम किसी अन्य वेबसाइट पर जाते हैं, तो वहां भी हमें जूते के विज्ञापन दिखने लगते हैं, जो थर्ड पार्टी कुकीज द्वारा दी गई सूचना के कारण होता है। अब लोग अपनी निजता के प्रति बहुत जागरूक हुए हैं और उपभोक्ताओं की मांग का सम्मान करते हुए गूगल ने थर्ड पार्टी कुकीज का प्रयोग चरणबद्ध तरीके से बंद करना शुरू कर दिया है। हालांकि गूगल का यह प्रयास पहले केवल क्रोम उपयोगकर्ताओं के एक हिस्से को प्रभावित करेगा, पर अंतत: इसका नतीजा यह हो सकता है कि अरबों इंटरनेट उपयोगकर्ताओं को कम विज्ञापन दिखाई देंगे, जो उनकी ऑनलाइन ब्राउजिंग आदतों से काफी मेल खाते हैं। पिछले दशक के अंत में मोजिला के फायरफॉक्स और एप्पल के सफारी ब्राउजर ने लोगों की निजता और गोपनीयता चिंताओं के कारण कुकीज को ट्रैक करने पर सीमाएं लगानी शुरू कर दी थीं। गूगल ने 2020 में उन्हें क्रोम से हटाने की योजना बनाई, पर विज्ञापन उद्योग और गोपनीयता के समर्थकों की चिंताएं दूर करने के लिए इस प्रक्रिया में कई बार देरी हुई। और गेट ऐप की एक रिपोर्ट के अनुसार, 41 प्रतिशत सेवा प्रदाताओं की सबसे बड़ी चुनौती सही डाटा को ट्रैक करना होगा, वहीं 44 फीसदी सेवा प्रदाताओं को लगता है कि उन्हें अपना व्यावसायिक लक्ष्य प्राप्त करने के लिए अपनी लागत को पांच प्रतिशत से 25 प्रतिशत तक बढ़ाना पड़ सकता है। हालांकि उपभोक्ताओं की निजता के लिए यह कोई बहुत बड़ी राहत नहीं है, क्योंकि अधिकतर सेवा प्रदाता अब ऐप का इस्तेमाल बढ़ा रहे हैं, जिससे उन्हें ज्यादा सटीक और ज्यादा व्यक्तिगत सूचनाएं प्राप्त होंगी। दुनिया भर के देश गोपनीयता कानून अब कुकी प्रयोग और उस पर सहमति संबंधी प्रावधान जोड़ रहे हैं, ताकि बिना सहमति के सूचनाएं साझा न हो और गोपनीयता बरकरार रहे। गूगल का ये प्रयास निजी सूचना आधारित व्यवसायों पर न केवल दूरगामी प्रभाव डालेगा, बल्कि ऑनलाइन विज्ञापन के नए-नए तरीके भी ईजाद करेगा।

ग्रंथों और कथाओं में नहीं सिमट सकता राम का नाम

राम चरित मानस की इस चौपाई में गोस्वामी तुलसीदास जी कह रहे हैं कि प्रभु श्रीराम अर्थात ईश्वर अनंत है न उनका कोई आदि है और न ही अंत। किसी भी मनुष्य द्वारा भगवान श्रीराम के सुंदर चरित्र को कोई व्यक्त नहीं किया जा सकता। आखिर कौन हैं राम? राम ऐसे पुरुष हैं, जो सर्वश्रेष्ठ हैं, जिनकी रीति, नीति, प्रीति और भीति से पूरी दुनिया परिचित है। राम परिपूर्ण हैं। राम आदर्श हैं। राम मर्यादा पुरुषोत्तम हैं, यानी पुरुषों में श्रेष्ठ हैं। राम न्यायप्रिय हैं। राम आज्ञाकारी हैं। राम कर्तव्यनिष्ठ हैं। राम करुणा सागर हैं। राम पूज्यनीय हैं। राम भारत की आत्मा हैं। राम ही हैं, जिन्होंने भारत को उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक एक सूत्र में पिरोने का काम किया है। गोस्वामी तुलसीदास जी ने राम चरित मानस में राम को एक अवतारी पुरुष बताया है। राम चरित मानस की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि तुलसीदास जी ने सरल अवधी भाषा में राम के चरित्र को भारत के जन-जन तक पहुंचा दिया। आज राम के चरित्र को एक आम मानवी समझता और जानता है तो उसका बड़ा श्रेय गोस्वामी तुलसीदास जी को जाता है। हालांकि, एक ग्रंथ से बहुत ऊपर है राम का नाम, जिसे कुछ पन्नों, चौपाइयों या श्लोकों में लिख देना या सिमट देना असंभव है। भारत की हर भाषा में राम कथाएं हैं। हालांकि, सबसे ज्यादा संस्कृत और उड़िया भाषा में राम कथा को लिखा गया है। संस्कृत में 17 तरह की छोटी-बड़ी राम कथाएं हैं, जिनमें वाल्मीकि, वशिष्ठ, अगस्त्य और कालिदास जैसे ऋषियों-कवियों की रचनाएं हैं। उड़िया में 14 तरह की राम कथाएं हैं, लेकिन गोस्वामी तुलसीदास जी की राम चरित मानस सबसे ज्यादा प्रचलित राम कथा है, जिसमें राम को अवतारी और परब्रह्म बताया गया है। राम केवल भारत तक ही सीमित नहीं हैं। राम विश्वव्यापी हैं। नेपाल, कंबोडिया, तिब्बत, पूर्वी तुर्किस्तान, इंडोनेशिया, जावा, इंडोचायना, बर्मा (वर्तमान में म्यांमार) और थाईलैंड में राम पर ग्रंथ हैं। नेपाल में भानुमुक्तकृत रामायण, सुंदरानंद रामायण और आदर्श राघव तो कंबोडिया में रामकर, तिब्बत में तिब्बती रामायण, पूर्वी तुर्किस्तान में खोतानी रामायण, इंडोनेशिया में ककबिनरामायण, जावा में सेरतराम, सैरीराम, रामकेलिंग, पातानी रामकथा, इंडोचायना में रामकेर्ति, खमैर रामायण, बर्मा में यूतोकी रामयगन और थाईलैंड में रामकियेन नाम के ग्रंथ राम को समर्पित हैं। इसके अलावा मलेशिया, श्रीलंका, जापान, फिलिपींस, मंगोलिया, कंबोडिया, भूटान, बाली, सुमात्रा, लाओस, की भी लोक संस्कृति में राम जिंदा हैं। राम पर तीन सौ से ज्यादा राम कथाएं दुनिया के अलग-अलग भागों में प्रचलित हैं, जो आज भी चल रही हैं। तीन हजार लोककथाएं राम की कथा से जुड़ी हैं और किसी न किसी रूप में सुनी अथवा गाई जाती हैं। हालांकि, राम की सभी कथाएं महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित महाकाव्य रामायण से ही प्रेषित हैं। सिखों के दसवें और अंतिम गुरु गुरु गोविंद सिंह जी ने भी राम अवतार कथानम में 71 प्रकार के छंदों का प्रयोग करते हुए राम के चरित्र की सुंदर व्याख्या की है। महान समाजवादी नेता राममनोहर लोहिया ने लिखा था कि आज जब दुनिया भर में हड़पने और विस्तार की महत्वाकांक्षा सिर उठाए खड़ी है तो राम की मर्यादा को याद करना जरूरी हो जाता है। राम का जीवन बिना हड़पे हुए फैलने की एक कहानी है। उनका निर्वासन देश को एक शक्ति केंद्र के अंदर बांधने का मौका था। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भी रामराज्य स्थापित करने की बात कही। आज केवल राम का नाम लेने की नहीं, बल्कि राम के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने की आवश्यकता है।

अर्थशास्त्र: कर्ज के चंगुल में फंसी दुनिया के बीच भारतीय रिजर्व बैंक ने उठाए महत्वपूर्ण कदम

वर्तमान वित्तीय वर्ष की शुरुआत में हमने देखा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था राजकोषीय और मौद्रिक नीति दोनों उपायों से मंदी से उबर रही थी। दरअसल, वित्त वर्ष 2022 में मुद्रास्फीति से निपटने के लिए विभिन्न देशों में ब्याज दरें बढ़ाई गईं, सार्वजनिक ऋण में भारी कमी आई और सरकारी वित्त में सुधार भी हुआ था। इस आर्थिक सुधार से अंतरराष्ट्रीय व्यापार और निवेश में कुछ हद तक स्थिरता भी संभव लग रही थी। लेकिन आर्थिक सुधारों के लिए विभिन्न देशों में अपनाई गई नीतियों में काफी फर्क भी दिखा। भारत जैसी उभरते बाजारों वाली विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में व्यापक आधार वाले आर्थिक सुधार दिखे। लेकिन कम आय वाली विकासशील अर्थव्यवस्था वाले देशों ने व्यापक आर्थिक स्थिरता का अनुभव किया, जिससे अत्यधिक सामाजिक और आर्थिक संकट पैदा हुए। संसाधनों के अभाव वाले क्षेत्रों की संसाधन-बहुल क्षेत्रों तक पहुंच कैसे सुनिश्चित की जाए, इस संदर्भ में हाल के समय में कई वैश्विक नीतिगत चर्चाएं भी हुईं। नई दिल्ली में आयोजित जी-20 सम्मेलन में मजबूत, सतत, संतुलित और समावेशी विकास की जरूरत पर बल दिया गया। हालांकि इस स्थिति की जटिलता के कई आयाम हैं। ऐसा ही एक महत्वपूर्ण मुद्दा है बढ़ते वैश्विक कर्ज का। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, पिछले वर्ष कुल वैश्विक कर्ज कुल वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (वैश्विक जीडीपी) का 238 फीसदी था, जो 2019 की तुलना में नौ फीसदी ज्यादा था। अगर इन्हीं आंकड़ों को डॉलर में देखें, तो यह कर्ज 2,350 खरब डॉलर था, जो 2021 की तुलना में करीब दो सौ अरब डॉलर ज्यादा था। इसमें सबसे ज्यादा चिंता का विषय घरेलू और निजी क्षेत्र का बढ़ता कर्ज है। हालांकि 2008 की वैश्विक मंदी के बाद से घरेलू कर्ज पर पूरी तरह से निगरानी रखी गई है, लेकिन फिर भी पिछले पंद्रह वर्षों में यह काफी तेजी से बढ़ा है। कोविड महामारी ने तो इसे और भी तेजी से बढ़ाया है। उल्लेखनीय है कि घरेलू कर्जों का उच्च स्तर वित्तीय अस्थिरता का एक प्रमुख स्रोत हो सकता है। हालांकि वैश्विक नीतिगत चर्चाओं में कोविड महामारी के बाद वित्तीय स्थिरता को वापस लाने पर फोकस किया

गया है, लेकिन जब बात घरेलू और निजी क्षेत्र के कर्ज की हो, तो ज्यादा सोच-विचार जरूरी हो जाता है। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि घरेलू कर्ज की प्रकृति, विशेषताएं और प्रभाव विभिन्न देशों में भिन्न-भिन्न होते हैं। उल्लेखनीय है कि अगर असुरक्षित घरेलू कर्ज ज्यादा बढ़ जाते हैं, तो वित्तीय स्थिरता के लिए बड़ा खतरा पैदा हो जाता है। दूसरी तरफ, सुरक्षित घरेलू कर्ज, मसलन रियल एस्टेट के लिए लिया गया कर्ज, वास्तविक मांग बढ़ा सकते हैं और घरेलू संपत्ति पैदा करते हैं। कर्ज निर्माण की इस प्रक्रिया की विस्तृत समझ रखना जरूरी है। इस समस्या की भयावहता को समझने के लिए आइए, भारत सहित कुछ प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में घरेलू कर्ज की स्थिति को दो काल-खंडों 2008 और 2022 में समझते हैं। 2008 वह वर्ष था, जब पूरी दुनिया में मंदी छाई थी, जबकि 2022 कोविड महामारी के ठीक बाद का वर्ष था। दोनों वे वर्ष थे, जब देशों की अर्थव्यवस्थाओं में सुधार दिखा। दोनों काल-खंडों के बीच कनाडा, फ्रांस, इटली और जापान में घरेलू कर्ज तेजी से बढ़ा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के आंकड़ों के अनुसार, कनाडा, फ्रांस, इटली और जापान में यह 2008 के क्रमश: 83.47, 48.60, 38.98 और 60.27 फीसदी से बढ़कर क्रमश: 102.38, 66.14, 41.72 और 68.15 फीसदी हो गया। जबकि भारत में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के अनुपात में घरेलू कर्ज सर्वाधिक न्यूनतम में से रहा, जो वित्त वर्ष 2022 के जीडीपी का करीब 35 फीसदी था और 2008 से 2022 के दौरान इसमें तेज गिरावट देखने को मिली। भारत में घरेलू कर्ज 2008 में जीडीपी का 40.85 फीसदी था, जो 2022 में 35.56 फीसदी रह गया। अमेरिका और ब्रिटेन में भी इस कालखंड में घरेलू कर्ज में कमी आई। भारत में घरेलू क्षेत्र से उत्पन्न होने वाले असुरक्षित कर्ज के जोखिमों को रोकने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा हाल ही में उठाए गए कदम उल्लेखनीय हैं। असुरक्षित कर्ज पर अंकुश लगाने के लिए केंद्रीय बैंक ने नवंबर, 2023 में बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) दोनों के लिए क्रेडिट कार्ड जैसे असुरक्षित उपभोक्ता कर्ज पर जोखिम का भार 25 फीसदी तक बढ़ा दिया है। केंद्रीय बैंक के इस कदम का उद्देश्य महज इतना है कि देश के वित्तीय क्षेत्र को घरेलू क्षेत्र से उत्पन्न होने वाले किसी भी बड़े वित्तीय जोखिम से बचाया जाए। हालांकि भारत का घरेलू कर्ज ज्यादा नहीं है, फिर भी केंद्रीय बैंक द्वारा दिखाई जा रही सतर्कता का महत्व है। इससे जोखिमों को कम करने और वित्तीय क्षेत्र की स्थिरता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। सारांश के तौर पर कह सकते हैं कि पूरी दुनिया में बढ़ते घरेलू कर्ज से वैश्विक अर्थव्यवस्था में अस्थिरता आएगी, जिसका नकारात्मक असर भारत समेत सभी उभरते बाजारों वाली अर्थव्यवस्थाओं पर भी पड़ेगा। पिछले वर्ष इसी समय के आसपास अमेरिका के सिलिकॉन वैली बैंक में जो संकट दिखा था, हालांकि जिस पर काबू पा लिया गया था, इसी समस्या का एक उदाहरण है। पूरी दुनिया को ऐसी नीतियों की जरूरत है, जिनका फोकस इस बढ़ते कर्ज पर काबू पाने पर हो। अर्थशास्त्रीय सिद्धांत बताते हैं कि घरेलू कर्ज के बढ़ने से अल्प अवधि में खपत और विकास को बढ़ावा मिलता दिख सकता है, लेकिन लंबे समय में इसका विकास पर उल्टा ही असर होता है। यह दिखाने का दरअसल कोई स्पष्ट प्रमाण नहीं है कि घरेलू कर्ज में वृद्धि वित्तीय सेवाओं या विभिन्न क्षेत्रों के बीच वित्तीय असंतुलन के बढ़ने से होती है। हालांकि यह मान लेना गलत नहीं होगा कि महामारी के वक्त आर्थिक विरोधाभास और चारों तरफ व्याप्त अनिश्चितता ही घरेलू कर्ज में वृद्धि के प्रमुख कारण थे। ऐसे में, स्थिर और सतत विकास सुनिश्चित करने के लिए जरूरी है कि सुधारों के लिए अपनाई जा रही कोई भी रणनीति इस पहलू पर ध्यान अवश्य दे।

अयोध्या राम मंदिर: 12वीं सदी के जिस रामजन्म भूमि मंदिर को बाबर ने तोड़ा वह आखिर किसने बनवाया था?

पुरातत्व के सबूतों से अब यह साबित हो चुका है कि अयोध्या में इन दिनों जहां श्रीराम जन्मभूमि का भव्य मंदिर बन रहा है, वहां 12वीं सदी में एक भव्य और विशालकाय मंदिर हुआ करता था। कहा जाता है कि इसी विशालकाय मंदिर को तोड़कर बाबर के सिपहसलार मीर बाकी ने राम जन्मभूमि पर तीन गुंबदों वाली बाबरी मस्जिद का निर्माण किया था। सदियों के विवाद और राम जन्मभूमि पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आ जाने के बावजूद भारतीय इतिहासकार और पुराविद यह तय नहीं कर पाएं हैं कि 12वीं सदी का वह भव्य मंदिर किस हिंदू राजा ने बनवाया था। दरअसल, इस सिलसिले में अब तक कन्नौज के गहड़वाल वंश के राजा गोविंद चंद्र के जमाने का एक शिलालेख है, जो विवादित ढांचे को ढहाए जाने के दिन 6 दिसंबर को ढांचे के मलबे से पहली बार दुनिया के सामने आया था। लेकिन विष्णु-हरि शिलालेख के नाम से विख्यात यह शिलालेख भी दो दशकों से अब तक विवादों में घिरा है। खास बात यह है कि ये शिलालेख इस संरचना को विष्णु हरि मंदिर बताता है न कि राम जन्मभूमि मंदिर। शिलालेख इस मंदिर के निर्माता का नाम- किसी आयुष्य चंद्र को बताता है, जिसका जिक्र अब तक इतिहास के किसी अन्य दस्तावेज में प्रमुखता से नहीं मिलता। इस शिलालेख पर सुप्रीम कोर्ट में लंबी बहस हो चुकी है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट इस नतीजे पर पहुंचा कि शिलालेख यह निष्कर्ष निकालने का आधार नहीं हो सकता कि इसमें जिस विष्णु हरि मंदिर का उल्लेख किया गया है वह मंदिर ध्वस्त स्थल पर ही मौजूद था। यानी दुनिया के सामने यह पहेली अब तक बरकरार है कि जिस मंदिर के अवशेष बाबरी मस्जिद के नीचे मिले वह मंदिर किस साम्राय या किस सम्राट ने स्थापित किया था।

एक दशक पहले हुई थी खुदाई 2003 में हाईकोर्ट के आदेश पर पुरातत्व विभाग सर्वेक्षण (एएसआई) ने विवादित स्थल की खुदाई की थी। इसमें पहली बार विवादित ढांचे के नीचे बारहवीं शताब्दी के किसी मंदिर के अस्तित्व का पता चला था। यह मकर पद्धति का एक गोलाकार मंदिर था। यहां 17 कतारों में कुल 85 आधार स्तंभ थे। एक तरह से यह कोई विशालकाय मंदिर रहा होगा। लेकिन एएसआई के पुराविद अब तक यह नहीं बता सके कि इस मंदिर का निर्माण कब और किस राजा ने किया था। उत्खनन में इस बारे में कोई जानकारी मिल सकी न ही एएसआई की रिपोर्ट में इसका जिक्र है। इस बारे में अब तक केवल एक सूत्र मिला है। 6 दिसंबर 1992 को ढांचे के मलबे में विष्णु-हरि शिलालेख मिलने के बाद हिंदू पक्ष ने दावा किया कि यह शिलालेख 12वीं सदी के

गहड़वाल राजा गोविंद चंद्र के कार्यकाल (1114-1154) का है जिसमें यहां भव्य राम मंदिर के निर्माण का प्रमाण मिलता है।

शिलालेख मिलने की कहानी इस शिलालेख के मिलने की कहानी भी कम दिलचस्प नहीं है। 6 दिसंबर 1992 को कारसेवकों की भीड़ ने विवादित ढांचा गिरा दिया था। हाईकोर्ट में एक चश्मदीद गवाह ने बताया था कि- इसी दौरान उसने विवादित ढांचे की पश्चिमी दीवार के एक हिस्से का प्लास्टर टूटा हुआ देखा। इस दीवार में असमान आकार के पत्थर और ईंटें लगी थीं। विध्वंस के दौरान साढ़े तीन फीट लंबा, दो फीट चौड़ा और छह इंच मोटा एक स्लैब नीचे गिर गया। उसे लगा कि ये स्लैब किसी पुराने मंदिर का शिलालेख जैसा है। कारसेवक उठाकर इसे रामकथा कुंज ले आए जहां मलबे से निकली सामग्री एकत्र की जा रही थी। (सुप्रीम कोर्ट जजमेंट, 9 नवंबर 2019 से) शिलालेख की बरामदगी के गवाहों में अयोध्या के मैजेस्टिक टॉकीज के मालिक भी शामिल थे जो पांचजन्य के रिपोर्टर थे और समाचार संकलन के लिए मौका-ए-वारदात पर मौजूद थे। शिलालेख की पहली तस्वीर दैनिक आज के लखनऊ संस्करण में 15 दिसंबर 1992 के अंक में छपी। उस दौरान खूब हल्ला मचा कि विवादित ढांचे में बने राम जन्म भूमि मंदिर के निर्माण की जानकारी देने वाला शिलालेख मिल गया है। विवादित ढांचे के मलबे से निकला यह शिलालेख जल्द ही इतिहासकारों में चर्चा विषय बन गया क्योंकि राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद से जुड़ा यह एक नया सबूत था जो अभी तक किसी के सामने नहीं आया था। इस पर शोध शुरू हो गए। 1899 में छपी पुस्तक द शर्की आर्किटेक्चर ऑफ जौनपुर का मुखपृष्ठ (1899 में छपी पुस्तक द शर्की आर्किटेक्चर ऑफ जौनपुर का मुखपृष्ठ) यह एक गंभीर आरोप था। हबीब की थ्योरी के अनुसार विष्णु-हरि शिलालेख वास्तव में त्रेता का ठाकुर शिलालेख है जिसका जिक्र ब्रिटिश पुराविद एंटोन फ्यूहरर ने अपनी 1899 में छपी पुस्तक द शर्की आर्किटेक्चर ऑफ जौनपुर में शिलालेख संख्या ङ्क्षद्धङ्क के रूप में किया गया है। ये शिलालेख 19वीं सदी के अंतिम सालों में फ्यूहरर को अयोध्या में त्रेता का ठाकुर मस्जिद के खंडहरों में मिला था। 1899 में छपी पुस्तक द शर्की आर्किटेक्चर ऑफ जौनपुर का वह अंश जिसमें त्रेता के ठाकुर शिलालेख का उल्लेख है (1899 में छपी पुस्तक द शर्की आर्किटेक्चर ऑफ जौनपुर का वह अंश जिसमें त्रेता के ठाकुर शिलालेख का उल्लेख है) हिंदू धर्म में समय को चार हिस्सों में बांटा गया है। सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग और कलयुग। राम का जन्म त्रेता युग में हुआ था, इसीलिए त्रेता के ठाकुर का शाब्दिक अर्थ है- त्रेता युग का स्वामी यानी भगवान श्रीराम। इस मंदिर का जिक्र पौराणिक कथाओं में आता है। फ्यूहरर के मुताबिक ये पहले विष्णु का एक बड़ा प्रसिद्ध मंदिर हुआ करता था, जिसे औरंगजेब ने तोड़ कर उसकी सामग्री से मस्जिद बनाई थी। जाहिर है इस मंदिर की उस दौर में बड़ी मान्यता रही होगी अन्यथा यह मंदिर औरंगजेब की नजर में नहीं आता। लेकिन वक्त के साथ यहां धीरे धीरे मस्जिद का अस्तित्व खत्म हो गया। अयोध्या के स्वर्गद्वार में त्रेता का ठाकुर मस्जिद के खंडहर आज भी मौजूद हैं। राम की पैड़ी पर त्रेता के ठाकुरजी का मंदिर भी आज जीर्ण शीर्ण अवस्था में मौजूद है। मंदिर के पुजारी सुनील मिश्र बताते हैं कि मान्यता है कि राम ने यही से अश्वमेध यज्ञ शुरू किया था। इसलिए प्रत्येक महीने की दोनों एकादशियों को शाम के वक्त यहां दीपक जला कर विशेष पूजा होती है। अयोध्या में स्वर्गद्वार का वह इलाका जहां त्रेता के ठाकुर के मंदिर है (अयोध्या में स्वर्गद्वार का वह इलाका जहां त्रेता के ठाकुर के मंदिर है) फ्यूहरर ने अपनी किताब में इसे 20-पंक्ति वाले बलुआ पत्थर के शिलालेख के रूप में वर्णित किया था, जो दोनों सिरों से टूटा हुआ है और बीच में भी दो भागों में विभाजित है। फ्यूहरर के अनुसार, यह शिलालेख जयचंद्र (यानी गोविंदचंद्र के पोते के) शासनकाल के दौरान जारी किया गया था। शिलालेख में विष्णु मंदिर के निर्माण के लिए जयचंद की प्रशंसा की गई है। इसमें सम्वत 1241 यानी 1184 ई का जिक्र था। फ्यूहरर की पुस्तक में कहा गया है कि- पूर्व आईपीएस अधिकारी किशोर कुणाल ने अपनी किताब अयोध्या रिविजिटेड में मध्ययुगीन इतिहासकार इरफान हबीब की थ्योरी का खंडन किया। इस पर शोध के बाद उन्होंने नतीजा निकाला कि विष्णु-हरि शिलालेख फ्यूहरर के त्रेता का ठाकुर शिलालेख से अलग है। लखनऊ संग्रहालय में 1953 से पहले के किसी अन्य शिलालेख का कोई रिकॉर्ड नहीं है। फ्यूहरर के त्रेता का ठाकुर शिलालेख संख्या 53.4 वहां रिकॉर्ड में मौजूद है। फिर जो संक्षिप्त ब्योरा फ्यूहरर ने दिया वह भी विष्णु-हरि शिलालेख की सामग्री से मेल नहीं खाता जैसे जयचन्द्र का नाम इस शिलालेख में नहीं है। इस शिलालेख में वह संवत वर्ष भी नहीं है जिसका जिक्र फ्यूहरर ने किया है। ये बीच से नहीं बल्कि किनारे से दो भागों में विभाजित है। यानी 6 दिसंबर 1992 को ढांचे के मलबे में जो विष्णु-हरि शिलालेख मिला वह इससे अलग है। ऐसे में तीन संभावनाएं हो सकती हैं। एक यह कि शिलालेख वास्तव में बाबरी मस्जिद की दीवार में कहीं जमीन में नीचे दफन था जो तोड़फोड़ के कारण मलबे में दुनिया के सामने आ गया। दूसरी संभावना ये कि किसी काल खंड में मस्जिद की तामीर के वक्त ये किसी और मंदिर की सामग्री के साथ यहां लाकर मस्जिद में लगा दिया गया हो। तीसरी बात यह हो सकती है कि उसे 6 दिसंबर को कहीं और से लाकर वहां रख दिया गया हो जैसा कि मुस्लिम पक्ष आरोप लगा रहे थे। ध्यान देने वाली बात यह है कि यह शिलालेख में साफ-साफ उस संरचना को रामजन्म भूमि मंदिर होने का संकेत नहीं देता। इस शिलालेख में तो भगवान श्रीराम का प्रत्यक्षत: नाम भी नहीं लिखा है। इसलिए भी यह आशंका गलत लगती है कि राम भक्तों ने इसे विवादित स्थल पर इरादतन रख छोड़ा हो। मजे की बात है कि इन सारे सवालों के जवाब अब तक अनुत्तरित हैं।

क्या ईशा देओल और भरत तख्तानी एक दूसरे से हो रहे अलग जानिए क्या है सच्चाई

नई दिल्ली । हेमा मालिनी और धर्मेंद्र की बेटी ईशा देओल अपने रिश्ते को लेकर चर्चा में हैं. माना जा रहा है कि ईशा और उनके पति भरत तख्तानी एक दूसरे से अलग हो गए हैं. ईशा और भरत को फिल्म इंडस्ट्री के सबसे स्ट्रॉन्ग कपल के रूप में देखा जाता था. दोनों सोशल मीडिया पर साथ फोटोज शेयर करते और इवेंट्स में साथ नजर आते थे. लेकिन पिछले कुछ वक्त से ऐसा नहीं हो रहा है. ऐसे में यूजर्स ने कयास लगाने शुरू कर दिए हैं कि दोनों की जोड़ी अलग हो गई है.

अलग हुए ईशा-भरत

बॉलीवुड के गलियारों में ईशा देओल और भरत तख्तानी के टूटते रिश्ते को लेकर खूब गॉसिप हो रही है. इसकी शुरुआत रेडिट के एक वायरल हो चुके पोस्ट की वजह से हुई थी. इस पोस्ट में कहा गया था कि मिया-बीवी के बीच सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है. ऐसे में दोनों अलग हो गए हैं. पोस्ट में इस बात पर गौर किया गया कि पिछले साल से शुरू हुए फेस्टिव सीजन में ईशा देओल को सिर्फ अपनी मां हेमा मालिनी के साथ देखा गया था. यहां तक कि आमिर खान की बेटी आयरा के रिसेप्शन में भी वो मां संग पहुंची थीं.मां के अलावा ईशा देओल अपनी दोनों बेटियों के साथ भी नजर आई हैं. ईशा को बड़े-छोटे इवेंट्स अकेले अटेंड करते देखा गया. यहां तक कि अलग-अलग दिवाली पार्टी में भी वो अकेली ही पहुंची थीं. जबकि हमेशा से ये होता आया है कि वो पति भरत तख्तानी के साथ इवेंट्स और पार्टियों में शामिल होती हैं. इतना ही नहीं, सास हेमा मालिनी के 75वें जन्मदिन के सेलिब्रेशन में भी भरत नहीं पहुंचे थे. इससे कपल के बीच सबकुछ ठीक न होने की अफवाहों को और हवा मिली.

क्या है खबर के पीछे का सच

अब कपल से जुड़े सूत्रों ने इन अफवाहों के पीछे का सच भी बता दिया है. सूत्रों के मुताबिक, ईशा और भरत के अलग होने की सभी खबरें झूठी हैं. जून 2023 में कपल ने अपनी शादी की 11वीं सालगिरह मनाई थी. इस मौके पर एक्ट्रेस ने पति संग एक रोमांटिक मोनोक्रोम फोटो भी शेयर की थी.ईशा देओल और भरत तख्तानी की शादी साल 2012 में हुई थी. इस शादी में देओल परिवार की खुशी को देखा गया था. बेटी को विदा होते देख धर्मेंद्र के आंसू बह गए थे. उनके फोटोज और वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुए. इस शादी से कपल की दो बेटियां हैं जिनका नाम राध्या और मिराया है.

एमएमएस लीक मामले में अंजलि अरोड़ा ने उठाया कदम

इन लोगों के खिलाफ दायर किया मानहानि का मुकदमा

नई दिल्ली । कंगना रणौत के शो 'लॉकअप' फेम मॉडल, टीवी एक्ट्रेस और सोशल मीडिया स्टार अंजलि अरोड़ा को कौन नहीं जानता। 'लॉक अप' से तो वह दुनियाभर में जानी-पहचानी जाने लगीं। 22 साल की ये अदाकारा कई म्यूजिक वीडियोज में भी काम कर चुकी हैं। अंजलि ने अब कई मीडिया पोर्टलों और यूट्यूब चैनलों के खिलाफ कार्रवाई करने का फैसला किया है। जानते हैं कि पूरा मामला क्या है कंगना रनोत के रियलिटी शो 'लॉक अप सीजन 1' के बाद अंजलि अरोड़ा का एमएमएस वीडियो लीक हो गया था, जिसने विवाद पैदा कर दिया था। अंजलि को जमकर ट्रोल किया गया। बाद में एक्ट्रेस ने बयान जारी करते हुए साफ कर दिया था कि वीडियो में वो नहीं हैं। किसी ने वीडियो के साथ छेड़छाड़ किया है। अब डेढ़ साल बाद अंजलि ने आरोपियों के खिलाफ एक्शन लिया है। दरअसल, अभिनेत्री अंजलि अरोड़ा कुछ महीने पहले एक एमएमएस के कथित तौर पर ऑनलाइन सामने आने के बाद चर्चा में थीं। अब एक्ट्रेस ने कई पोर्टल्स के खिलाफ मानहानि का केस दर्ज कराया है और अभिनेत्री पर उनकी छवि खराब करने का आरोप लगाया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अंजलि ने पहले ही एफआईआर दर्ज करा दी है और पुलिस ने अब इस मामले की आधिकारिक जांच भी कर दी है वायरल वीडियो में एक महिला को आपत्तिजनक स्थिति में दिखाया गया था और कई पोर्टल्स ने दावा किया था कि वह महिला अंजलि थीं। हालांकि, ट्रोल करने वालों की आलोचना करते हुए, अभिनेत्री ने तब स्पष्ट किया था कि उन्हें बदनाम करने के लिए वीडियो में छेड़छाड़ की गई थी। अब अभिनेत्री ने यह कदम उठा कर सभी को चौंका दिया है। जानकारी के मुताबिक, अंजलि अरोड़ा ने मोर्फ्ड एमएमएस लीक मामले में स्न्ढ्ढक्र दर्ज कराई है। शिकायत के बाद पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। एक्ट्रेस ने सिर्फ एफआईआर दर्ज नहीं कराया है। कहा जा रहा है कि वह यूट्यूबर्स और पब्लिशिंग हाउस समेत उन लोगों के खिलाफ मानहानि का केस करेंगी, जिन्होंने सोशल मीडिया पर उन्हें बदनाम किया है। इंस्टाग्राम पेज ने एफआईआर की कॉपी भी ऑनलाइन शेयर की है। 12 मार्च 1996 को जन्मी अंजलि दिल्ली की रहने वाली हैं। उन्हें टिकटॉक और बाद में रील्स पर छोटी-छोटी डांस वीडियो बनाकर लोकप्रियता मिली। अंजलि की सोशल मीडिया पर तगड़ी फैन फॉलोइंग है। अंजलि हिंदी और पंजाबी कई म्यूजिक वीडियो का हिस्सा रही हैं। उनके मशहूर गानों में 'टेंपरेरी प्यार', 'आशिक पुराना', 'शायद फिर से', 'मटका भारी', 'लूडो' सहित कई शामिल हैं।

हीरो संग रोमांस करते दिखीं खेसारी लाल की हीरोइन, एक्टर बोला, काजल संग

नई दिल्ली । कड़ाके की ठंड के बीच सुपर हॉट अभिनेत्री काजल रघवानी के साथ इन दिनों अभिनेता जय यादव का रोमांस चर्चे में है. तभी तो दोनों के रोमांस का फोटो भी तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें जय यादव, काजल राघवानी के साथ इश्क फरमाते नजर आ रहे हैं। उनको जोड़ी इन वायरल तस्वीरों में परफेक्ट मैच लग रही है और ये उनके फैंस भी नोटिस कर रहे हैं. नए साल की सर्दी में उनके फैंस के लिए ये तस्वीरें गर्मी बढ़ाने वाली है. लेकिन हम आपको बता दें कि काजल राघवनी और जय यादव की ये तस्वीरें उनकी अपकमिंग फिल्म 'तुझको ही दुल्हा बनाउंगी' के सेट की है, जहां दोनों अलग अंदाज में नजर आ रहे हैं। वहीं, इस वायरल तस्वीर को लेकर जय यादव ने कहा कि काजल राघवानी इंडस्ट्री की काबिल अदाकारा हैं. उनके साथ काम करने में खूब मजा आ रहा है. अभी जो तस्वीरें लोगों के सामने आ रही हैं, वो हमारा रोमांस सीक्वेंस है. उनके साथ रोमांस सीक्वेंस करना बेहद खास रहा. उम्मीद करता हूं कि दर्शकों को हमारी जोड़ी पसंद आए और उन्हें हम फिल्म में भी खूब पसंद आए. उन्होंने कहा कि यह फिल्म हम लोगों के लिए खास है और दर्शकों को भी इस फिल्म में फ्रेश मनोरंजन मिलेगा. इस फिल्म के निर्माता नवीन कुमार शर्मा और निर्देशक अजय कुमार गुप्ता का आभार जिन्होंने हमें एक शुद्ध सामाजिक पटकथा वाली फिल्म के लिए भरोसा जताया। ग्राउंड जीरो इंक प्रस्तुत फिल्म 'तुझको ही दुल्हा बनाउंगी' में जय यादव और काजल राघवानी के साथ अवधेश मिश्रा, राम सुजान सिंह, बीना पांडे, राहुल श्रीवास्तव, शिव कुमार, बबलू ख़ान, कृष्णा कुमार मुख्य भूमिका में हैं. फिल्म के निर्माता नवीन कुमार शर्मा हैं जबकि निर्देशक अजय गुप्ता हैं और लेखक सभा वर्मा हैं. फिल्म के संगीतकार यश कुमार हैं।

करण जौहर को लेकर एक्ट्रेस रवीना टंडन का बड़ा खुलासा

कहा- 'करण आज भी मुझसे'

नई दिल्ली । बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस रवीना टंडन इन दिनों सिर्खियों में हैं। रवीना अपनी अपकमिंग वेब सीरीज कर्मा कॉलिंग को लेकर चर्चाएं बटोर रही है। एक्ट्रेस की ये सीरीज जल्द ही रिलीज होने वाली है। इससे पहले रवीना अपनी वेब सीरीज का जमकर प्रमोशन कर रही है। साथ ही वो कई इंटरव्यू दे रही हैं जिसमें कई मजेदार खुलासे कर रही हैं। दरअसल, रवीना ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में खुलासा किया है कि उन्होंने करण जौहर की पहली फिल्म 'कुछ-कुछ होता है' को रिजेक्ट कर दिया था। करण की इस फिल्म में शाहरुख खान, काजोल के साथ ही रानी मुखर्जी भी लीड रोल में थी। लेकिन रानी से पहले करण ने ये रोल रवीना को ऑफर किया था। करण चाहते थे कि रवीना इस मूवी में काम करें। लेकिन एक्ट्रेस इसे करने से मना कर दिया था। वहीं, अब हाल ही मे रवीना ने खुलासा करते हुए बताया है कि इस रोल को मना करने पर करण जौहर का क्या रिएक्शन आया था। एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में बताया कि- करण आज भी मुझसे उस रोल को ना करने के लिए जवाब मांगता रहता है। मैं उससे कहती हूं कि यार तू मुझसे और कुछ भी करा ले। यही नहीं धर्मा प्रोडक्शन की एक और कोई फिल्म थी जिसे मैं और वरुण सूद साथ में करने वाले थे लेकिन अफसोस ऐसा हो नहीं सका। बता दें कि, इससे पहले रवीना ने पिछले साल एक इंटरव्यू में भी कुछ-कुछ होता है ना करने को लेकर वजह का खुलासा किया था। उन्होंने इस दौरान बताया था कि- करण ने आज तक मुझे कुछ-कुछ ना करने के लिए माफ नहीं किया है। लेकिन उस वक्त मुझे समझ नहीं आया। काजोल और मैं उस वक्त एक दूसरे के कॉम्पिटीटर थे। फिल्म में हम दोनों ही लीड रोल में थे लेकिन मेरा रोल काजोल से नीचे था और छोटा था। इसलिए मैं इसी नहीं करना चाहती थी। बतादें कि, इसी इंटव्यू में रवीना टंडन ने ये भी रिवील किया है कि उन्होंने पॉपुलर वेब सीरीज आर्या को भी रिजेक्ट किया था. इसके बाद इस सीरीज के लिए सुष्मिता सेन को कास्ट किया गया। आपको बता दें रवीना टंडन की अपकमिंग सीरीज कर्मा कॉलिंग की बात करें तो, इस सीरीज का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। जिसे काफी पसंद किया जा रहा है। वहीं, ये सीरीज 26 जनवरी को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होने के लिए तैयार है साल 1998 में रिलीज हुई थी ये फिल्म उस साल की सबसे बड़ी हिट फिल्म बनकर उभरी थी। इस फिल्म ने 8 फिल्मफेयर अवॉर्ड जीते थे। फिल्म की शुटिंग भारत के साथ साथ मॉरीशस और स्कॉटलैंड में भी हुई थी। फिल्म में सलमान खान ने कैमियो रोल निभाया था।

अटल जी के व्यक्तित्व को लेकर बोले पंकज त्रिपाठी, 'वे आज के राजनेताओं जैसे नहीं थे'

मुंबई । पंकज त्रिपाठी बॉलीवुड के सबसे बहुमुखी अभिनेताओं में से एक हैं, जिन्होंने कॉमेडी, ड्रामा और थ्रिलर फिल्मों में अपनी प्रतिभा को दिखाया है। अभिनेता इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'मैं अटल हूं' की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। उनकी यह फिल्म पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी (के जीवनी पर आधारित है। हाल ही में, एक बातचीत के दौरान पंकज त्रिपाठी ने कहा कि वाजपेयी की तुलना आज के राजनेताओं से नहीं की जा सकती है। पंकज ने कहा, 'अटल वाजपेयी के बारे में पढ़ने के बाद, आप आज के समय के नेताओं के बारे में वैसा महसूस नहीं करेंगे। वाजपेयी के विरोधी थे, लेकिन उनके कट्टर आलोचक भी उनका सम्मान करते थे और विधायी शिष्टाचार का पालन करते थे। अटल बिहारी वाजपेयी का व्यक्तित्व ऐसा है कि जिसकी तुलना आज के राजनेताओं से नहीं की जा सकती। भारतीय राजनीति में अटल का प्रतिद्वंद्वी ढूंढना कठिन है। वे राजनेता ही नहीं एक कवि भी थे। मैंने उनसे सीखा है कि एक व्यक्ति को अंदर से लोकतांत्रिक होना चाहिए। उनकी कविताएं आपको यह विश्वास करने के लिए प्रेरित करते हैं कि हर कोई जीवन में कुछ भी कर सकता है।' अभिनेता ने आगे बताया कि उन्होंने भी अटल वाजपेयी की दो राजनीतिक रैलियों में भाग लिया था। जिसमें उन्होंने पांच सौ मीटर दूर भीड़ में खड़े होकर उनकी बातें सुनी थीं।अभिनेता ने आगे कहा, 'अटल बिहारी वाजपेयी लोगों के बीच काफी मशहूर हैं। हम आपको अपनी फिल्म के माध्यम से बटेश्वर के उस छोटे बच्चे के बारे में बताएंगे, जो बड़ा होकर अटल बिहारी वाजपेयी बना। अटल वाजपेयी की एक कविता है, जिसमें उन्होंने कहा, 'मनुष्य को चाहिए कि वह परिस्थितियों से लड़े, एक स्वप्न टूटे तो दूसरा गढ़े।' यह कविता को हमने फिल्म के एक सीन में भी शामिल किया है।'निर्माता विनोद भानुशाली ने कहा, 'पिछले दिसंबर में अटल का 99वां जन्मदिन मनाया गया था। वहीं, हम उनके सौवें वर्ष में फिल्म रिलीज कर रहे हैं। हम इसे भाग्यशाली मानते हैं कि वह अस्सी साल तक जीवित रहे। मैंने रवि जाधव से उनकी जीवन की कहानी को दो घंटे और कुछ मिनट में लिखने के लिए कहा, क्योंकि मैं उनके जन्मदिन पर फिल्म को रिलीज करना चाहता था। वहीं, डायरेक्टर रवि जाधव ने कहा, 'मुझे फिल्म लिखने से पहले ही पता चल गया था कि यह रोल पंकज त्रिपाठी निभा रहे हैं।"मैं अटल हूं' 19 जनवरी 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म का निर्देशन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक रवि जाधव ने किया है। फिल्म की कहानी ऋषि विरमानी और रवि जाधव ने मिलकर लिखी है। इस फिल्म में पंकज त्रिपाठी अटल बिहारी वाजपेयी के किरदार में नजर आएंगे।

'एनिमल' के ओटीटी रिलीज पर बवाल, कोर्ट तक पहुंच गई बात

मुंबई- रणबीर कपूर रश्मिका मंदाना स्टारर फिल्म 'एनिमल' साल 2023 की सुपरहिट फिल्म साबित हुई. फिल्म का जादू दर्शकों के सिर चढ़कर बोला. जनता से सेलिब्रिटीज तक सभी ने फिल्म के डायरेक्टर संदीप वांगा रेड्डी की जमकर तारीफ की. इसके साथ ही फिल्म में रणबीर कपूर और बॉबी देओल के किरदार को भी लोगों का खूब प्यार मिला. हालांकि फिल्म अपने कुछ सीन्स को लेकर विवादों में रही, जिस वजह से निर्देशक और एक्टर्स को आलोचनाओं का सामना करना पड़ा. इसके बावजूद भी फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई की और कई रिकॉर्ड्स अपने नाम किए. अब फिल्म को रिलीज हुए 2 महीने होने वाले हैं. सिनेमाघरों में जाकर दर्शकों ने इस फिल्म को देखा. इसके बाद अब लोग फिल्म का ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आने का इंतजार कर रहे हैं. फिल्म गणतंत्र दिवस यानी 26 जनवरी के दिन ओटीटी पर रिलीज के लिए तैयार है. लेकिन इसको लेकर बवाल खड़ा हो गया है. फिल्म के को-प्रोड्यूसर फिल्म को ओटीटी पर रिलीज करने के लिए तैयार नहीं है. इसके लिए उन्होंने कोर्ट का रुख भी कर लिया है. मुताबिक सिने वन स्टूडियोज प्राइवेट लिमिटेड ने 'एनिमल' के डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा के साथ फिल्म के को-प्रोड्यूसर होने का दावा करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. सिने वन स्टूडियोज ने आरोप लगाया है कि टी सीरीज ने उन्हें फिल्म की कमाई से हुए लाभ का हिस्सा नहीं दिया है. सिने वन का कहना कि 'एनिमल' को दो प्रोडक्शन हाउस से समझौता कर बनाया गया था, जिसमें सिने वन के मुताबिक उन्हें 35 प्रतिशत प्रॉफिट मिलना चाहिए था. सिने वन की ओर से सीनियर वकील संदीप सेठी ने बताया कि टी-सीरीज सारा पैसा इकट्ठा कर रहा है, लेकिन सिने वन को एक पैसा भी नहीं दिया गया. वहीं दूसरी ओर टी-सीरीज की ओर से सीनियर वकील अमित सिब्बल ने पक्ष रखा. उनका कहना है कि सिने वन स्टूडियोज ने 'एनिमल' में एक पैसा भी इन्वेस्ट नहीं किया है और 2 अगस्त 2022 को किए गए अमेंडमेंट के अनुसार, सिने वन स्टूडियोज ने 2.6 करोड़ रुपये में अपने सभी इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स छोड़ दिए. सिने वन नेअमेंडमेंट को छुपाया. उन्हें 2.6 करोड़ मिले, जबकि उन्होंने एक पाई भी इन्वेस्ट नहीं की.

19 जनवरी को रिलीज होगी 'मैं अटल हूं'

निर्माता ने फिल्म के कलाकारों और टीम के साथ मनाया जन्मदिन

मुंबई। फिल्म 'सिर्फ एक बंदा काफी है' बनाकर हिंदी फिल्म निर्माताओं की अग्रणी पंक्ति में शुमार हुए निर्माता विनोद भानुशाली की अगली फिल्म 'मैं अटल हूं' इस शुक्रवार 19 जनवरी को रिलीज होने जा रही है। फिल्म की पहली कॉपी पूरी हो चुकी है और अब पूरे देश में इसकी रिलीज की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। विनोद ने अपना जन्मदिन बीती रात यहां फिल्म के कलाकारों और इसकी तकनीकी टीम के साथ मनाया। कार्यक्रम में शामिल हुए अभिनेता पंकज त्रिपाठी को इस मौके पर उनकी वैवाहिक वर्षगांठ पर भी खूब बधाइयां मिलीं।बायोपिक के बाजीगर के रूप में मशहूर हो चुके निर्माता विनोद भानुशाली ने लंबा समय हिंदी सिनेमा के विपणन और विक्रय का देखते हुए बिताया है। विनोद ने टी सीरीज से अलग होकर अपनी खुद की कंपनी भानुशाली स्टूडियोज की स्थापना करते समय ये संकल्प लिया था कि वह सिर्फ पारिवारिक मनोरंजक फिल्में ही बनाएंगे और उनके सिनेमा में गालियों व अश्लील दृश्यों को कोई जगह नहीं मिलेगी। अपनी पिछली फिल्म 'सिर्फ एक बंदा काफी है' के लिए देश विदेश में तमाम पुरस्कार जीत चुके विनोद ने फिल्म 'मैं अटल हूं' के लिए बीते एक साल से दिन रात मेहनत की है।अपने जन्मदिन के कार्यक्रम में विनोद काफी प्रसन्नचित्त नजर आए। फिल्म 'मैं अटल हूं' में अटल बिहारी वाजपेयी का किरदार निभाने वाले पंकज त्रिपाठी इस मौके पर खासतौर से मौजूद रहे। अपने चिरपरिचित हस्तनिर्मित अंगौछे के साथ पंकज ने ही सबसे पहले विनोद भानुशाली को जन्मदिन की बधाई दी। पंकज को इस दौरान उनके इस चुनौतीपूर्ण किरदार के लिए भी खूब शुभकामनाएं मिलीं। पंकज ने बधाइयां स्वीकार करते हुए बस इतना ही कहा कि उन्होंने अपना काम पूरी ईमानदारी से किया है। वहीं विनोद भानुशाली को बधाई देते हुए फिल्म 'मैं अटल हूं' के निर्देशक रवि जाधव ने उन्हें छत्रपति शिवाजी की परंपरा की 'जगदंब तलवार' भेंट की।जिन लोगों ने भी फिल्म 'मैं अटल हूं' की पहली कॉपी देखी है, वह बताते हैं कि पंकज त्रिपाठी का रूप इस फिल्म में चौंकाने वाला है। उन्होंने परदे पर अटल बिहारी वाजपेयी की ऐसी छवि प्रस्तुत की है कि देखने वालों का भावुक होना तय है।

सिंगल कॉलम

यूपी पुलिस में 60000+ कांस्टेबल पदों पर आवेदन का आखिरी मौका, फटाफट इस लिंक से करें अप्लाई

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड (यूपीपीआरपीबी) आज, 16 जनवरी को यूपी पुलिस में नागरिक पुलिस कांस्टेबलों की भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया समाप्त करने वाला है। योग्य उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट uppbpb.gov.in पर जाकर इन रिक्तियों के लिए आवेदन कर सकते हैं।

फरवरी में होगी परीक्षा

इस भर्ती अभियान का लक्ष्य संयुक्त भर्ती परीक्षा के माध्यम से कुल 60,244 पुरुष और महिला सिविलियन कांस्टेबल पदों को भरना है। परीक्षा अस्थायी रूप से फरवरी, 2024 में आयोजित होने वाली है।

पात्रता मानदंड

आयु सीमा- उम्मीदवारों की आयु 1 जुलाई, 2023 को 18 वर्ष से 22 वर्ष के बीच होनी चाहिए। आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए ऊपरी आयु सीमा में छूट लागू है।

शैक्षिक योग्यता- उम्मीदवारों को भारत में किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय से कक्षा 10 और 12 (कक्षा 10 + 2) बोर्ड परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए। अधिक संबंधित विवरण के लिए आप आधिकारिक अधिसूचना पढ़ सकते हैं।

चयन प्रक्रिया

उम्मीदवारों का चयन ओएमआर आधारित परीक्षा में उनके प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा, जिसके बाद उम्मीदवारों को दस्तावेज सत्यापन, शारीरिक मानक परीक्षण और एक शारीरिक साक्षात्कार (यदि आवश्यक हो) दौर में शामिल होना पड़ेगा।

आवेदन शुल्क

पंजीकरण प्रक्रिया के दौरान उम्मीदवारों से 400 रुपये का आवेदन शुल्क लिया जाएगा। कोई शुल्क छूट अधिसूचित नहीं की गई है।

ऐसे करें आवेदन

यूपी पुलिस कांस्टेबल पदों के लिए आवेदन करने के लिए नीचे बताए स्टेप्स को फॉलो करें-

आधिकारिक वेबसाइट uppbpb.gov.in पर जाएं।

होमपेज पर कांस्टेबल पदों पर आवेदन के लिए उपलब्ध लिंक पर क्लिक करें।

इंदौर, उज्जैन और रतलाम सराफा बाजार में सोना-चांदी के दामों में गिरावट

इंदौर। *ऊंचे दामों में ज्वेलर्स की बुलियन में खरीदारी कुछ घटने के साथ ही अंतरराष्ट्रीय बुलियन वायदा मार्केट टूटने से इंदौर में सोने और चांदी की कीमतों में आंशिक गिरावट दर्ज की गई। मंगलवार को इंदौर में सोना कैडबरी आंशिक घटकर 63700 रुपये प्रति दस ग्राम और चांदी भी आंशिक घटकर 73275 रुपये प्रति किलो रह गई।*

दरअसल, अंतरराष्ट्रीय बुलियन वायदा मार्केट में सटोरियों की मुनाफावसूली की बिकवाली आने से सोना वायदा तीन डालर टूटकर 2055 डालर प्रति औंस और चांदी 11 सेंट घटकर 23.21 डालर प्रति औंस पर कारोबार करती देखी गई। इसका असर भारतीय बाजारों पर भी देखा गया। हालांकि वैवाहिक सीजन की वजह से उपभोक्ता ग्राहकी बाजार में बराबर देखी जा रही है जो आगे और बढ़ने की संभावना है। कामेक्स सोना ऊपर में 2055 तथा नीचे में 2047 डालर प्रति औंस और चांदी ऊपर में 23.21 व नीचे में 23.04 डालर प्रति औंस पर कारोबार करती देखी गई।

इंदौर में सोना-चांदी के बंद भाव

सोना कैडबरी रवा नकद में 63700 रुपये, सोना (आरटीजीएस) 64275 रुपये तथा सोना (91.60 कैरेट) 58870 रुपये प्रति दस ग्राम बोला गया। सोमवार को सोना 63750 रुपये पर बंद हुआ था। वहीं, चांदी चौरसा 73275 रुपये, चांदी टंच 73400 रुपये तथा चांदी चौरसा (आरटीजीएस) 73200 रुपये प्रति किलो बोली गई। सोमवार को चांदी 73350 रुपये पर बंद हुई थी।

उज्जैन सराफा बाजार में सोना-चांदी के दाम

सोना स्टैंडर्ड 63800 रुपये तथा सोना रवा 63700 रुपये प्रति दस ग्राम के भाव रहे। वहीं, चांदी पाट 73600 रुपये तथा चांदी टंच 73400 रुपये प्रति किलो बोली गई। सिक्का 800 रुपये प्रति नग रहा।

रतलाम सराफा बाजार में सोना-चांदी के दाम

सोना स्टैंडर्ड 64200 रुपये तथा सोना रवा 64150 रुपये प्रति दस ग्राम के भाव रहे। वहीं, चांदी चौरसा 73400 रुपये तथा चांदी टंच 73500 रुपये प्रति किलो बोली गई।

मोदी सरकार के इस बड़े फैसले से तेल की कीमतें नहीं बिगाड़ेंगी रसोई का बजट

नई दिल्ली । खाद्य तेल की कीमतों को लेकर मोदी सरकारने बड़ा फैसला लिया है। तेल के आयात शुल्क में छूट की सीमा सरकार ने मार्च 2025 तक बढ़ा दी है। इस फैसले से फिलहाल एक साल तक आम जनता को खाद्य तेल की कीमतों में बढ़ोत्तरी से राहत मिलेगी। सरकार ने एक अधिसूचना जारी कर इसकी जानकारी दी। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने जून में कच्चा पॉम ऑयल, कच्चा सूरजमुखी तेल और कच्चा सोयाबीन तेल के लिए आयात शुल्क में छूट की सीमा मार्च 2024 तय की थी।

वनस्पति तेल और रिफाइंड ऑयल की खपत के मामले में भारत दूसरे स्थान पर्स्बीते दिनों देश की थोक और खुदरा महंगाई दरों में काफी उछाल आया था। इसके पीछे का मुख्य कारण खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोत्तरी होना थी। ऐसे में यह उम्मीद जताई जा रही थी कि खाद्य तेल की कीमतें भी बढ़ सकती है, लेकिन सरकार के इस फैसले से देश में खाद्य तेल की कीमतों को काबू रखने में काफी मदद

मिलेगा। बता दें भारत दुनिया में वनस्पति तेल और रिफाइंड ऑयल की खपत के मामले में दूसरे स्थान पर है। देश में खाद्य तेलों की यह जरूरत हर साल दो तिहाई आयात से पूरी होती है। **पहले 32.5% था आयात शुल्क**

केंद्र सरकार ने जून 2023 में रिफाइंड सोयाबीन तेल और सूरजमुखी तेल पर आयात शुल्क 17.5 पर्सेंट से घटाकर 12.5 पर्सेंट कर दिया था। इससे पहले खाद्य तेल पर लगने वाला आयात शुल्क 32.5% था, जिसे अक्टूबर 2021 में घटाकर 17.5 पर्सेंट किया गया था।

इन देशों से आता है तेल

सबसे अधिक पाम ऑयल और इससे जुड़े अन्य उत्पाद इंडोनेशिया, मलेशिया, थाईलैंड से आयात किए जाते हैं। भारत में ज्यादातर सरसों, पाम, सोयाबीन और सूरजमुखी से निकलने वाला तेल खाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है, जो अर्जेंटीना, ब्राजील, रूस और यूक्रेन से आयात होता है।

सरकार ने शीरा पर 50% निर्यात शुल्क लगाया

सरकार ने गन्ने के रस से बने शीरा के निर्यात पर 50 पर्सेंट शुल्क लगा दिया है। यह इथेनॉल उत्पादन का प्रमुख घटक है। सरकार ने चालू सीजन में चीनी उत्पादन में गिरावट के बीच यह कदम उठाया है। वित्त मंत्रालय के अनुसार, यह शुल्क 18 जनवरी से प्रभावी होगा। इस कदम का उद्देश्य घरेलू भट्टियों के लिए शीरा की उपलब्धता को बढ़ावा देना और सरकार के इथेनॉल मिश्रण लक्ष्य को पूरा करने में मदद करना है।

'किसी के जाने से..'

मोहम्मद शमी के बयान से मचा बवाल, गुजरात से हार्दिक के जाने पर तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली । आईपीएल 2024 के लिए सभी टीमों ने अपने-अपने खेमें को तैयार कर लिया है. पिछले महीने आईपीएल के मिनी ऑक्शन में फ्रेंचाइजियों के कई बड़े फैसले देखने को मिले. लेकिन ऑक्शन से पहले दो फ्रेंचाइजियों के बीच खिलाड़ियों के फेरबदल ने सभी फैंस को हिलाकर रख दिया था. हम बात कर रहे हैं मुंबई इंडियंस और गुजरात टाइटंस के फैसले की. गुजरात को दो बार आईपीएल फाइनल में पहुंचाने वाले हार्दिक पंड्या को मुंबई ने अपना कप्तान नामित किया. मोहम्मद शमी के बयान ने इस मुद्दे को एक बार फिर हवा दे दी है। आईपीएल ऑक्शन से पहले हार्दिक पंड्या अपनी पुरानी फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस के साथ जुड़े. इसके बाद उन्हें मुंबई ने अपना नया कप्तान भी चुना. वहीं, दूसरी ओर गुजरात टाइटंस ने टीम की कमान युवा शुभमन गिल के हाथों में सौंप की. गुजरात के स्टार गेंदबाज मोहम्मद शमी से जब इस बारे में बात की गई तो उन्होंने इस मुद्दे पर अपने विचार रखे. शमी ने मीडिया से बातचीत में कहा, 'किसी के जाने से किसी को फर्क नहीं पड़ता. हार्दिक जाना चाहते थे और वे चले गए. एक कप्तान के रूप में उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया और एक बार आईपीएल ट्रॉफी भी जीती. वे जीवनभर गुजरात के साथ ही तो नहीं बंधे थे.'

शुभमन गिल होंगे नए कप्तान टीम इंडिया के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल को गुजरात का नया कप्तान बनाया गया है. हालांकि, टीम में सीनियर खिलाड़ियों से गिल को मदद मिल सकती है. गिल ने इससे पहले इतने बड़े मंच पर कप्तानी नहीं की है. अब देखना दिलचस्प होगा कि एक युवा खिलाड़ी की कप्तानी में दो बार की फाइनलिस्ट टीम इस बार बाजी मारने में कामयाब हो पाती है या नहीं। हार्दिक पंड्या ने आईपीएल 2022 में गुजरात टाइटंस को खिताबी जीत दिलाई थी. इसके बाद 2023 में भी उन्होंने शानदार तरीके से टीम को संभाला. लेकिन फाइनल मुकाबले में एमएस धोनी की टीम से मात खा गए और बदकिस्मती से ट्रॉफी हाथ से निकल गई।

गाय का हो या भैंस का.. शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होता है दूध

नई दिल्ली । दूध गाय का हो या भैंस का दूध दोनों ही हेल्दी और शरीर के लिए बहुत ज्यादा फायदेमंद होता है. घर के बड़े-बजुर्गों से अक्सर सुना होगा कि अच्छी नींद चाहिए तो रात के वक्त भैंस का दूध पिएं. हालांकि खोया, दही, खीर, पायसम, मलाई, कुल्फी और घी बनाने के लिए भैंस का दूध बेहतर माना जाता है. इसमें कोई शक नहीं कि दूध में सबसे ज्यादा पौष्टिक होता है. कोई व्यक्ति हर रोज सिर्फ एक गिलास दूध पी रहा है तो उसके शरीर को जरूरी के सभी पोषक तत्व मिल रहे हैं। यह कैल्शियम का सबसे शानदार सोर्स होता है. जो मजबूत हड्डियों और दांतों के लिए आवश्यक है. डॉक्टर स्वस्थ और फिट रहने के लिए रोजाना दूध पीने की सलाह देते हैं, लेकिन जब आपको गाय और भैंस के दूध में से किसी एक को चुनना हो तो आप किसे चुनेंगे? वैसे दोनों ही तरह के दूध में कुछ अच्छी और कुछ बुरी बातें होती हैं. तो चलिए देखते हैं कि दोनों में क्या कोई खास अंतर है?

पानी

पानी हर व्यक्ति के लिए जरूरी है और इसलिए अगर आप अपने शरीर में पानी की मात्रा बढ़ाना चाहते हैं तो गाय का दूध पीना शुरू कर दें. गाय के दूध में 90 प्रतिशत पानी होता है और यह आपके शरीर को हाइड्रेट करने के लिए एकदम सही है.

फैट

फैट दूध की स्थिरता के लिए जिम्मेदार है. गाय के दूध में भैंस के दूध की तुलना में फैट की मात्रा कम होती है. यही कारण है कि भैंस का दूध गाय के दूध से अधिक गाढ़ा होता है. गाय के दूध में 3-4 प्रतिशत वसा होती है, जबकि भैंस के दूध में 7-8 प्रतिशत फैट होती है. भैंस का दूध पेट के लिए भारी होता है इसलिए इसे पचने में समय लगता है और इसे पीने के बाद काफी देर तक भूख भी नहीं लगती है.

कैलोरी

भैंस के दूध में अधिक कैलोरी होती है क्योंकि इसमें प्रोटीन और फैट अधिक होती है. एक कप भैंस के दूध में 237 कैलोरी होती है, जबकि एक कप गाय के दूध में 148 कैलोरी होती है.

प्रोटीन

गाय के दूध की तुलना में भैंस के दूध में 10-11 प्रतिशत प्रोटीन होता है. प्रोटीन की अधिक मात्रा होने के कारण भैंस का दूध छोटे बच्चों और बूढ़ों को नहीं देना चाहिए.

कोलेस्ट्रॉल

इन दोनों प्रकार के दूध में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा भी अलग-अलग होती है. भैंस के दूध में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम होती है, इसलिए यह उन लोगों के लिए बहुत अच्छा साबित होता है जो पीसीओडी, उच्च रक्तचाप, किडनी की समस्याओं और मोटापे से पीड़ित हैं।

सबसे ज्यादा कौन से दूध में कैल्शियम होता है?

भैंस का दूध अगर आप 250 लेते हैं तो उसमें कैल्शियम की मात्रा 412 द्वद्व कैल्शियम होगा. साथ ही इसमें फॉस्फोरस, मैग्नीशियम और क्लोराइड होता है. जो सेहत के लिए अच्छा होता है. इसमें पाई जाने वाली फैट हड्डियों के लिए काफी अच्छा होता है.

गाय के दूध में कैल्शियम की मात्रा

अगर आप एक कप गाय का दूध लेते हैं तो उसमें 305 द्वद्व कैल्शियम होता है. ये दूध अगर आप रोजाना पीते हैं तो हड्डी से जुड़ी बीमारी कम होती है. यह कैल्शियम का अच्छा सोर्स है. साथ ही इस दूध में प्रोटीन, विटामिन ए और विटामिन डी भरपूर मात्रा में पाया जाता है।

ज्यादा फोन चलाने से हो सकते हैं बीमार, दिमाग पर पड़ता असर

इंदौर। आज के समय में मोबाइल एक ऐसा हथियार है जो लगभग सभी लोगों के पास है. इसमें कोई संदेह नहीं है कि मोबाइल का हमारे दैनिक जीवन में बहुत सा उपयोग है. कई मायनों में ये हमारे जीवन को सरल बनाता है, कुछ कामों को तो चुटकियों में कर देता है. लेकिन जैसा की हम जानते हैं हर पॉजिटिव चीज के साथ कुछ न कुछ नीगेटीव भी होता है.आज मोबाइल में ऐसे फीचर आ गए हैं जिसको बहुत सरलता से उपयोग किया जा सकता है. लेकिन इसका दूसरा पक्ष ये भी है कि इसकी आदत भी बहुत आसानी लगती है. अक्सर ऐसा होता है कि लोग बिना मतलब के भी फोन चलाते रहते हैं, रील देखते हैं. मोबाइल के एल्गोरिदम को इस तरीके से डिजाइन किया गया है कि फोन चलाने का आदत लगना बहुत आम बात है.एक रिसर्च में पाया गया है कि आम तौर पर एक व्यक्ति दिन भर में 58 बार मोबाइल उठाता है. वहीं औसतन एक व्यक्ति का स्क्रीन टाइम दिनभर में 7 घंटे का है. बहुत से लोगों को ये मालूम होगा कि मोबाइल का ज्यादा इस्तेमाल करना सेहत के लिए हानिकारक होता है, लेकिन बहुत कम लोगों को ये मालुम होगा कि ये शरीर के लिए कितना घातक हो सकता है. ये न सिर्फ मानसिक रूप से बल्कि शारीरिक रूप से भी सेहत को बहुत नुकसान पहुंचाता है. मोबाइल अधिक चलाने की वजह से स्लीप साइकिल खराब होता है, मानसिक तनाव होता है, सोचने समझने की शक्ति कम होती है, सिर दर्द होता है, पाचन क्रिया खराब होता है आदि.डोपामाइन हार्मोनमोबाइल कुछ लोगों के जीवन में इस कदर समय पर कब्ज कर चुका है कि सुबह उठते ही सबसे पहले मोबाइल ही उठाते हैं. वो चेक करते हैं कि कोई मैसेज तो नहीं आया, किसी सोशल मीडिया का कोई नोटिफिकेशन तो नहीं आया, मेरे पोस्ट को कौन-कौन लाइक किया है, कौन कमेंट किया हैज आदि आदि. लोग हर समय अपडेट रहना चाहते हैं, इसलिए ब्रेन बार बार मोबाइल छूने का सिग्नल देता है. ये ठीक वैसा ही है जैसे कुछ लोग क्रिकेट देखते समय एक-एक रन का अपडेट रखना चाहते हैं. दरअसल, ये सब करने पर हमारे दिमाग में रासायनिक प्रतिक्रिया होती है और डोपामाइन हार्मोन रिलीज होता है. जब हमें किसी काम को करने में खुशी मिलती है तो डोपामाइन रिलीज होता है. जिसकी वजह से उस काम को करने की और इच्छा होती है और धीरे-धीरे लत में बदल जाती है. इस लत की वजह से स्ट्रेस क्रोनिक स्ट्रेस में बदल जाता है.

जबलपुर क्षेत्र की 191 खदानों में 73 खान पुरस्कार वितरण समारोह में हुए शामिल

केजेएस सीमेंट प्लांट ने संपन्न कराया 35 वा खान सुरक्षा सप्ताह समापन समारोह 2023

मैहर, खान सुरक्षा महानिदेशालय , जबलपुर के तत्वाधान में केजेएस सीमेंट (इ) लिमिटेड ने सुरक्षा सप्ताह के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह का रंगारंग आयोजन स्थानीय ओम रिसोर्ट में किया। जिसमे विभिन्न माइनिंग कंपनियों के श्रमिकों और उच्चाधिकारियों ने भारी संख्या में भाग लिया । उल्लेखनीय है कि इस परिप्रेक्ष्य में वर्ष भर चली गतिविधियों का संचालन केजेएस सीमेन्ट के चेयरमैन पवन अहलूवालिया की पहल पर विभिन्न स्थानों पर कम्पनी की ओर से किया गया । समापन अवसर पर खान सुरक्षा संचालनालय से जुड़े अनेक उच्चाधिकारियों ने भाग लिया जिसमें प्रभात कुमार सहित प्रकाश कुमार , संदीप श्रीवास्तव टी . महतो , शेख गुलाब , अशोक कुमार एवं एस.डी. छिदारवार उल्लेखनीय समापन समारोह की शुरुआत मुख्य अतिथि प्रभात कुमार के द्वारा सुरक्षा ध्वज के ध्वजारोहण एवं ए.के. वर्मा (महाप्रबंधक , केजेएस सीमेंट) द्वारा सुरक्षा शपथ दिलाए जाने से हुई ।

तत्पश्चात मुख्य अतिथि ने विभिन्न कंपनियों द्वारा स्थापित एग्जिबिशन स्टॉल का उद्घाटन एवं निरीक्षण किया । मुख्य कार्यक्रम की शुरुआत में ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी विजय सिंह राठौड़ ने इस समारोह में भाग लेने वाले सभी अतिथियों एवं विभिन्न खदानों से आए सभी वरिष्ठ एक्जीक्यूटिव , मैनेजर्स , सुपरवाइजर्स एवं श्रमिक बंधुओं का स्वागत करते हुए 35 वें खान सुरक्षा सप्ताह के महत्व पर प्रकाश डाला । श्री राठौड़ ने विस्तार से बताया कि किस प्रकार से पिछले कुछ महीनों से आयोजन समिति ने विज कम्पटीशन , फर्स्ट एड कम्पटीशन तथा ट्रेड टेस्ट कम्पटीशन का सफल आयोजन विभिन्न जगहों पर करवा कर जबलपुर क्षेत्र के खनन सेक्टर में माइंस सेफ्टी के प्रति सुरक्षा की भावना श्रमिक बंधुओं में पैदा की अध्यक्षीय भाषण में मुख्य अतिथि प्रभात कुमार ने इस क्षेत्र में कार्यरत बड़ी माइनिंग कंपनियों से अपील की कि वो अपने आसपास के गांव में रहने वाले लोगों को स्वास्थ्य , शिक्षा , पर्यावरण और सुरक्षा के प्रति जागरूक करने का अभियान शुरू करे तथा उनकी उचित ट्रेनिंग की व्यवस्था भी सुनिश्चित करें । कार्यक्रम के अगले चरण में मैहर के ब्लू बेल स्कूल के विद्यार्थियों ने एक से एक आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किये , जिसमें वंदना , स्वागत गीत , शास्त्रीय नृत्य एवं सुरक्षा से संबंधित एक लघु नाटिका थी । समारोह के अंत में खान क्षेत्र में कार्यरत पुरस्कार विजेताओं को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कार वितरित किए गए मैकेनाइज्ड माइंस ग्रुप में प्रथम ओवरऑल परफॉर्मेंस पुरस्कार केजेएस सीमेन्ट को तथा हाइली मैकेनाइज्ड माइंस ग्रुप में प्रथम ओवरऑल परफॉर्मेंस पुरस्कार संयुक्त रूप से मैहर सीमेंट एवं रिलायंस सीमेंट को दिया गया । केजेएस सीमेंट के प्रेसिडेंट राजपाल सिंह राणा ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया और भाग लेने वाले सभी ऑफिसर्स वर्कर्स को आने वाले समय के लिए शुभकामनाएं दी । इस कार्यक्रम को सफल बनाने में केजेएस के खान अधिकारी बी.के. चौधरी , ए.के. वर्मा , आर.पी सैनी , रवि मिश्र , अतीन्द्र भट्टाचार्य , आर.पी. द्विवेदी, प्रभात द्विवेदी, राजकुमार, विनय चौधरी, दिनेश श्रीवास्तव, प्रदीप मिश्रा , राजेश शर्मा, सुरेंद्र सिंह ,नरेंद्र सिंह एवं प्रदीप बर्मन का भरपूर योगदान रहा । समारोह में केजेएस सीमेन्ट की ओर से मार्केटिंग प्रमुख टी . सी . जैन , बी.के.त्रिपाठी , एचआर प्रमुख मनीष प्रसाद , बी.के. ठाकुर , महेश गुप्ता , प्रकाश करण , विरचि गाइन अनिल राय , अशोक मिश्र एवं जनसंपर्क अधिकारी निरंजन शर्मा की उपस्थिति उल्लेखनीय रही ।

कटनी में प्रौढ़ पर स्टील के पाईप व चाकू से अचानक किया जानलेवा हमला घयल की हालत गंभीर, जिला अस्पताल में भर्ती

कटनी, कुठला थाना क्षेत्र की बस स्टेंड चौकी अंतर्गत एक प्रौढ़ पर कुछ अज्ञात लोगों के द्वारा जानलेवा हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। घायल कों इलाज के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया हैं. जहाँ पर उसका उपचार जारी हैं। वहीं जानकारी यह प्राप्त हो रही हैं कि प्रौढ़ के साथ हुई घटना लूटपाट के इरादे से की गई थी। पुलिस नें आरोपियों के विरुध्द मामला पंजीबद्व कर मामलें की विवेचना शुरू कर दी हैं। प्राप्त जानकारी अनुसार कुठला थाना क्षेत्र की बस स्टेंड पुलिस चौकी से चंद कदमों की दूरी पर सोमवार की देरशाम लगभग साढ़े 8 बजे एक प्रौढ़ के साथ लूटपाट व चाकू से जानलेवा हमले की घटना घटित हुई है। नदीपार क्षेत्र निवासी 55 वर्षीय शंकर सिंह पिता राममिलन सिंह चौहान सोमवार की देरशाम चाय पीने के लिए घर से ऊपर की तरफ आया और चाय पीने के वाद फुल्की खाने लगा तभी निहाल, नीरज कोल और लालचंद के भतीजे ने उससे विवाद कर उसके ऊपर स्टील के पाईप और चाकू से हमला कर दिया। आरोपी युवकों ने शंकर के साथ लात घूंसों से मारपीट करने के बाद चाकू से भी हमला कर दिया। बताया जाता है कि बुरी तरह चाकू से जानलेवा हमला करने के बाद आरोपी शंकर की जेब में रखी नगदी रकम और अन्य सामान लेकर चंपत हो गए। घायल शंकर को गंभीर हालत में जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जहां उसका उपचार जारी है। पुलिस ने शंकर सिंह चौहान की शिकायत पर निहाल, नीरज कोल और लालचंद के भतीजे के विरूद्ध धारा 394, 323, 324, 506, 34 के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

बड़वानी के अंजड नगर में कार सेवकों का सम्मान कर सुंदरकांड का हुआ आयोजन देररात पहुंचे सांसद पटेल

बड़वानी, अंजड में सोमवार देररात तक स्थानीय अस्पताल चौक में विभिन्न आयोजन किए गए जिसमें मुख्य रूप से नगर के कार सेवकों का मंच पर बैठाकर सम्मान किया स्थानीय अस्पताल चौक में देररात तक सुमधुर सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया जिसमें सांसद गजेन्द्र सिंह पटेल भी पहुंचे। आपको बता दें कि अयोध्या में श्रीराम लला विराजमान होने जा रहा हैं, जिसमें सन् 1990 व 1992 के कारसेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है, इस दौरान बताया गया कि कारसेवक हिंदूधर्म की लड़ाई के लिए निकले थे जो हमारे लिए गौरव की बात है। नगर सहित आसपास के गांवों के भी कारसेवकों ने अपना योगदान दिया है वहीं आंदोलन के अनुभव साझा किए गए। देररात तक चले इस आयोजन में अनेकों लोग मौजूद रहे।

भाजपा जिलाध्यक्ष इंगले द्वारा बड़वानी जिला कार्यालय से लोकसभा चुनाव दीवार लेखन कार्यक्रम का किया शुभारंभ

बड़वानी, बड़वानी जिला भाजपा कार्यालय से लोकसभा चुनाव 2024 के निमित्त दीवार लेखन कार्यक्रम का शुभारंभ किया, इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष कमल नयन इंगले द्वारा फिर से मोदी सरकार के स्लोगन लिखे गए वहीं भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं को हर बूथ पर स्वयं को जोड़कर इस कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील भी की गई है। इस दौरान स्लोगन सबका-साथ, सबका-विकास, सबका-प्रयास, सबका-विश्वास के ध्येय से नया आयाम प्राप्त करने का आव्हान भी किया गया इस दौरान भारतीय जनता पार्टी के अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे

कलेक्टर डॉ. राहुल फटिंग की अध्यक्षता में हुई बैठक

बड़वानी जिला गौपालन एवं पशुधन संवर्धन समिति व जिला पशु रोगी कल्याण समिति की बैठक सम्पन्न

बड़वानी, कलेक्टर डॉ. राहुल फटिंग की अध्यक्षता में पशुपालन एवं डेयरी विभाग बड़वानी कि जिला गौपालन एवं पशुधन संवर्धन समिति व जिला पशु रोगी कल्याण समिति बड़वानी की बैठक कलेक्टरेट सभा कक्ष में आयोजित की गई । बैठक में बड़वानी की पंजीकृत 17 शासकीय/अशासकीय गौशाला के समस्त अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहित जिला पंचायत बड़वानी मुख्य कार्यपालन अधिकरी श्री जगदीश कुमार गोमे, कृषि स्थायी समिति अध्यक्ष सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे । इस दौरान पशुपालन एवं डेयरी विभाग के उपसंचालक डॉ. चन्द्रकान्त रत्नाकर ने उपस्थित सभी सदस्यो को गौशाला में गौवंश के स्वास्थ्य परीक्षण, टीकाकरण, टैंगिंग, चारा, पानी, बिजली, शीत ऋतु में बचाव सहित अन्य व्यवस्थाओं पर विस्तारपूर्वक चर्चाकर समस्त गौशालाओं के ऑडिट रिपोर्ट/उपयोगिता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने, मृत गौवंश के निष्पादन, कस्टम हॉयरिंग केन्द्र स्थापित करने, गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने आदि विषयों पर चर्चा कर गौवंश हेतु अगामी योजना पर भी चर्चा की गई ।

ग्राम तलवाड़ा बुजुर्ग में कलशयात्रा के साथ शिव परिवार व हनुमानजी के मंदिर में मुर्ती प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की हुई शुरूआत

बडवानी, बडवानी के अंजड में समीपस्थ ग्राम तलवाड़ा बुजुर्ग में शिव परिवार व हनुमानजी की मुर्ती प्राण प्रतिष्ठा उत्सव की शुरुआत कलशयात्रा निकाल कर की गई, ग्राम तलवाड़ा बुजुर्ग के टांडा महोल्ला क्षेत्र के सेवालाल मंदिर में 3 दिवसीय मुर्ती प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की आज से शुरुवात हो गई है जिसमें विभिन्न आयोजन किए जायेंगे वहीं पुर्णाहुति पर भंडारे का आयोजन भी किया जायेगा,आज आयोजन के प्रथम दिन ग्राम में कलशयात्रा निकाली गई वहीं मुर्तियों को पंचाग कर्म,मंडप प्रवेश व जलाधिवास व अन्य आयोजन पंडितों के मार्गदर्शन में करवाया जा रहा है।

राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का हुआ उद्घाटन

बड़वानी, शासकीय आदर्श महाविद्यालय एवं शासकीय विधि महाविद्यालय बड़वानी के संयुक्त तत्वावधान में सात दिवसीय विशेष ग्रामीण शिविर ग्राम पंचायत तलून विकासखंड बड़वानी में रासेयो शिविर का उद्घाटन हुआ। रासेयो अधिकारी डॉ दिनेश पाटीदार ने अतिथि परिचय दिया। शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बड़वानी के प्राचार्य डॉ दिनेश वर्मा की अध्यक्षता एवं सरपंच ग्राम पंचायत तलुन श्रीमती अनिता सोलंकी के आतिथ्य में संपन्न कार्यक्रम मे ग्राम की सरपंच महोदया ने अपने भाषण में स्वयं के जीवन के 22 वर्षों के संघर्ष की कहानी को सुनाते हुए, विद्यार्थियों को सात दिवस तक लगने वाली हर आवश्यकताओं की पूर्ति का शिविरार्थियों को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया, साथ ही जीवन में धैर्य रखने एवं निरंतर संघर्ष करने हेतु प्रेरित किया। डॉ दिनेश वर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों को रासेयो गतिविधियों के माध्यम से नैतिक विकास एवं नेतृत्व क्षमता के गुर सीखना चाहिए ताकि जीवन में समाज सेवा कर सके, विद्यार्थियों को संकोच हटाकर अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए प्रेरित किया । विशेष अतिथि के रूप में डॉ आर एस मुजाल्दा जिला संगठक राष्ट्रीय सेवा योजना बड़वानी, एवं डॉ जयराम बघेल, प्रशासनिक अधिकारी शहीद भीमानायक महाविद्यालय बड़वानी ने स्वयंसेवको की भूरी भूरी प्रशंसा की एवं अपने आसपास की साफ सफाई के साथ गांव के लोगो को भी स्वास्थ्य एवं स्वच्छता हेतु जागरूक करने के लिए प्रेरित किया। बौद्धिक सत्र के मुख्य वक्ता के रूप में श्री मुकेश कुमार डोंगरे उपस्थित रहे, आदर्श महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ बलराम बघेल एवं विधि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ अरविंद सोनी ने शिविरार्थियों को स्वच्छता का संदेश दिया , एवं श्रीराम मंदिर के लोकार्पण को उत्साह से मनाने का आव्हान किया एवं कार्यक्रम के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की। कार्यक्रम संचालन कु भावना प्रजापत एवं आभार रासेयो शिविर अधिकारी डॉ कीर्ति पटेल ने ज्ञापित किया । आयोजन में दोनो महाविद्यालय के रासेयो स्वयसेवक, प्राध्यापकगण एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

गाजा में बंधकों और नागरिकों तक मदद पहुंचाने के लिए समझौता, इस्राइली हमले में 100 रॉकेट लॉन्चर तबाह

तेल अवीव- गाजा में इस्राइल-हमास के बीच 100 दिनों से अधिक समय से युद्ध जारी है। इस संघर्ष में अब तक 25 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं और लाखों लोग प्रभावित हुए हैं। इस बीच फ्रांस और कतर की मध्यस्थता में गाजा में बंधकों और नागरिकों को मानवीय और चिकित्सा सहायता पहुंचाने की अनुमति देने के लिए समझौता हुआ है। इसके तहत लगभग 45 इस्राइली बंधकों को तत्काल दवा पहुंचाई जाएगी। इस्राइल और फलस्तीनी आतंकवादी समूह हमास के बीच समझौते के लिए मध्यस्थता कराने वाले दोनों देशों ने कहा कि यह सहायता बुधवार को कतर से मिस्र के लिए रवाना होगी। इसके बाद इसे राफा सीमा से गाजा में पहुंचाया जाएगा। कतर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माजिद अल-अंसारी ने एक बयान में कहा कि समझौते के तहत गाजा पट्टी में सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में नागरिकों को अन्य मानवीय सहायता के साथ-साथ दवा भी पहुंचाई जाएगी, जिसके बदले में गाजा में इस्राइली बंधकों को आवश्यक दवा पहुंचाई जाएगी। इस्राइली हमले में हमास के 100 रॉकेट लॉन्चर तबाह इस्राइल ने मंगलवार को बताया कि पिछले 24 घंटे में गाजा में हमास के 100 रॉकेट लॉन्चरों को तबाह किया गया है। वहीं, मिस्र सीमा पर हुए आतंकी हमले में एक महिला सैनिक घायल हुई है। इस्राइली सेना ने बताया कि करीब 20 आतंकियों ने नित्जाना सीमा के पास धावा बोला। जवाबी कार्रवाई में कई आतंकी मारे गए। वहीं, कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल थानी ने कहा, अब गाजा जैसा तो कुछ बचा ही नहीं है। भले ही इस्राइल ने गाजा को पूरी तरह मिटा दिया है, लेकिन ये संघर्ष तब तक खत्म नहीं होगा, जब तक अलग फलस्तीन नहीं बन जाता। एजेंसी अमेरिका के प्यूर्टो रिको में गोलीबारी नाबालिग समेत पांच की मौत अमेरिकी द्वीप प्यूर्टो रिको में चलते हुए वाहन से की गई गोलीबारी में पांच लोगों की मौत हो गई, जिससे अधिकारियों को राजमार्ग के एक हिस्से को बंद करना पड़ा। मृतकों में एक 16 वर्षीय किशोर भी है। सोमवार देर रात हुई गोलीबारी का कारण पता नहीं चला है। अधिकारियों के अनुसार यह मादक पदार्थों की तस्करी से संबंधित मामला हो सकता है। फुटबॉल एसोसिएशन ऑफ सिंगापुर को धोखा देने पर भारतवंशी को जेल सिंगापुर फुटबॉल संघ (एफएएस) के भारतीय मूल के एक पूर्व अधिकारी को संगठन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपने पद का दुरुपयोग करने के मामले में मंगलवार को 55 हफ्ते कैद की सजा सुनाई गई। स्ट्रेट्स टाइम्स के मुताबकि एफएएस के उप निदेशक रिकराम जीत सिंह रणधीर सिंह ने बेईमानी से संघ को 6,09,380 सिंगापुर डॉलर (4,56,000 अमेरिकी डॉलर) खर्च करने को प्रेरित किया, जिससे उसने व उसकी पत्नी आसिया किरिन ने 1,27,896 सिंगापुर डॉलर का लाभ कमाया था। जापान में रनवे पर फिर टकराए दो विमान, कोई हताहत नहीं जापान में मंगलवार को एक बार फिर दो विमान टकरा गए। 289 यात्रियों को लेकर उत्तरी द्वीप होक्काइडो के न्यू चिटोस हवाईअड्डे से उड़ान भरने जा रहा कोरियाई एयरलाइंस का विमान पहले से खड़े कैथे पैसिफिक एयरवेज के विमान से टकरा गया। हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है। रनवे पर बर्फ की वजह से यह हादसा हुआ। बता दें कि दो सप्ताह पहले टोक्यो में रनवे पर टक्कर के बाद दो विमान जल गए थे। इसमें 5 की मौत हुई थी।

ईरान के बाद तुर्किये ने किए इराक और सीरिया में हवाई हमले

पश्चिम एशिया धीरे-धीरे बड़ी जंग की तरफ बढ़ रहा है। मंगलवार को तुर्किये ने इराक और सीरिया में कई आतंकी ठिकानों पर हवाई हमले किए। यह कार्रवाई इराक में कथित तौर पर इस्राइली खुफिया एजेंसी मोसाद के ठिकाने पर ईरान के हमले के बाद हुई है। ईरान के हमले को अमेरिका व ब्रिटेन की तरफ से हूती और हिज्बुल्ला के ठिकानों पर की गई बमबारी के बदले के तौर पर देखा जा रहा है। अमेरिकी सेना ने बताया, मंगलवार को बगदाद के इरबिल में उसके सैनिक अड्डे पर हमले का प्रयास कर रहे तीन ड्रोन मार गिराए गए। ईरान ने मंगलवार को भी ईराक व सीरिया में शत्रु ठिकानों पर मिसाइल हमले का दावा किया है।

पाकिस्तान में ईरान का एक्शन आतंकी ठिकानों पर की एयर स्ट्राइक

इंटरनेशनल डेस्क: ईरान ने आतंकवादी समूह जैश अल-अदल के पाकिस्तान के अंदर स्थित ठिकानों पर मंगलवार को हमले किए। सरकारी समाचार एजेंसी 'ईरना% ने कहा कि हमले के लिए मिसाइल और ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। पाकिस्तान ने तत्काल हमले की बात स्वीकार नहीं की है। जैश अल-अदल सुन्नी आतंकवादी समूह है जो मुख्यत- पाकिस्तान से अपनी गतिविधियों को अंजाम देता है। जैश अल-अदल एक सुन्नी आतंकवादी समूह है जो बड़े पैमाने पर परमाणु-सशस्त्र पाकिस्तान में सीमा पार संचालित होता है। हमलों की रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है और गाजा में इजराइल और हमास के बीच चल रहे युद्ध के व्यापक रूप से फैलने की आशंका है। इराक और सीरिया में भी बरसाए बम इससे पहले ईरान ने हालिया आतंकवादी हमले के विरोध के जवाब में क्रमश- सीरिया और इराक के कुर्दिस्तान क्षेत्र में 'आतंकवादियों% तथा इजरायल की खुफिया सेवा मोसाद के ठिकानों के खिलाफ बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया , जिसमें चार लोग मारे गये। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सिपाह न्यूज ने आज तड़के आईआरजीसी के जारी बयान के हवाले से बताया कि मध्यरात्रि में किया गया हमला इजराइल द्वारा ईरानी और प्रतिबंधित कमांडरों की हत्याओं के प्रतिशोध की कारवाई थी। यह हमला दक्षिणपूर्वी ईरानी प्रांत करमान, सिस्तान और बलूचिस्तान में हाल के 'आतंकवादी हमलों की प्रतिक्रिया के रूप में भी था। इराक की राजधानी एरबिल पर आईआरजीसी द्वारा किए गए मिसाइल हमले में चार लोग मारे गए। गौरतलब है कि तीन जनवरी को दो आतंकवादियों ने करमान में ईरानी जनरल कासिम सुलेमानी की कब्र के पास दो बम विस्फोट किए, जिसमें 90 से अधिक लोग मारे गये और 280 घायल हो गए। चार जनवरी को आईएस आतंकवादी समूह ने बम विस्फोटों की जिम्मेदारी ली। इराक ने वापस बुलाया राजदूत ईरान द्वारा उत्तरी इराक के इरबिल में गत रात किए गए हमले के विरोध में इराक ने मंगलवार को तेहरान में नियुक्त अपने राजदूत को सलाह-मशविरा के लिए वापस बुला लिया। इसके साथ ही इराक ने ईरान के दूतावास के प्रभारी को भी तलब किया। इराक के विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय के मुताबिक ईरान के इस हमले में कई लोगों की मौत हो गई। इराक के विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि ईरान का यह हमला '' इराक की संप्रभुत्ता का घोर उल्लंघन है और अच्छे पड़ोसी देश के सिद्धांत और अंतरराष्ट्रीय कानून के विपरीत है और यह क्षेत्र की सुरक्षा के लिए खतरा है।

आर्कटिक ब्लास्ट और बर्फबारी के बाद अमेरिका में बढ़ी ठंड; मौसम विभाग का दावा- तापमान में रिकॉर्ड गिरावट

वॉशिंगटन - अमेरिका में कड़ाके की ठंड के कारण जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। आर्कटिक ब्लास्ट के कारण अमेरिका के 142 मिलियन लोगों को सर्द हवाओं से जूझना पड़ रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक अमेरिका के अधिकांश हिस्सों में बर्फीली आर्कटिक हवाओं के कारण तापमान में रिकॉर्ड गिरावट हुई है। अमेरिकी जनता को घरों के अंदर रहने और बहुत जरूरी होने पर ही सावधानी के साथ यात्रा करने की चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग ने आशंका जताई है कि आर्कटिक विस्फोट के कारण अमेरिका के अधिकांश क्षेत्रों में तापमान रिकॉर्ड न्यूनतम स्तर तक गिरेगा। माइनस में पहुंचा तापमान, स्कूलों पर लटके ताले मौसम विभाग के मुताबिक अमेरिका के उत्तरी इलाकों में ठंडी हवाएं चलेंगी। तापमान शून्य से नीचे यानी माइनस में भी जाने की आशंका है। मौसम विभाग ने लोगों को बेवजह यात्रा करने से बचने की सलाह देते हुए आगाह किया है कि तापमान माइनस 30 डिग्री तक गिरने की आशंका है। लगभग 80 फीसदी हिस्से में तापमान माइनस में जाने के कारण स्कूलों को बंद कर दिया

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा- भगवान ने सोचा अमेरिका को एक केयर टेकर की आवश्यकता, इसलिए उन्होंने मुझे पैदा किया

वॉशिंगटन- डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर दावा किया कि ईश्वर ने उन्हें अमेरिका का ध्यान रखने के लिए ही बनाया है। तीन मिनट के वीडियो में कहा गया है कि 14 जून, 1964 को भगवान ने सोचा कि अमेरिका को एक केयर टेकर की जरूरत होगी, इसी वजह उन्हें पैदा किया गया है। अमेरिका को एक मजबूत और साहसी इंसान की जरूरत है, जो भेड़ियों से न डरे। वीडियों में ट्रंप के बचपन की तस्वीरों के साथ ही उन्हें चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मिलता दिखाया गया है। आयोवा के नतीजों से ट्रंप के हौसले बुलंद हैं। इससे उन्हें अच्छी शुरुआत मिली है। आयोवा में ट्रंप के समर्थक -30 डिग्री सेल्सियस तापमान में भी वोट देने आए। बहरहाल, उन्हें अभी लंबा रास्ता तय करना है। क्योंकि 50 राज्यों में से आयोवा केवल एक राज्य है, जो कुल मतदाताओं के करीब 1 फीसदी के बराबर है। दो राज्यों में ट्रंप की दावेदारी पर प्रतिबंध लगा है, जिसके खिलाफ उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दी है। इसके अलावा चार आपराधिक मामलों सहित ट्रंप पर 19 मुकदमे चल रहे हैं। ऐसे में उनकी राह आसान नहीं है। अगला मुकाबला बुधवार को न्यू हैंपशायर में होगा। यहां निक्की हेली से ट्रंप को कड़ी चुनौती मिल सकती है। हालांकि, दौड़ से बाहर हो चुके रामास्वामी का भी यहां प्रभाव है, जिन्होंने ट्रंप के समर्थन में रैली का एलान किया है। ऐसे में मुकाबला दिलचस्प होगा। ट्रंप ने की बाइडन से आजादी की अपील आयोवा में जीत के बाद ट्रंप ने मतभेदों को भुलाकर अमेरिका को बाइडन के कब्जे से आजाद कराने की अपील की है। उन्होंने इसके लिए सभी रिपब्लिकन उम्मीदवारों को एकजुट होकर उनका समर्थन करने को कहा। रामास्वामी शुरुआत से ट्रंप के मेक अमेरिका ग्रेट अगेन अभियान के समर्थक रहे हैं। हालांकि, आयोवा चुनाव से ठीक पहले ट्रंप ने रामास्वामी को धोखेबाज बताते हुए कहा था कि रामास्वामी को वोट देने का मतलब विरोधियों को वोट देना है। रामास्वामी ने ट्रंप के बयानों पर खास प्रतिक्रिया नहीं दी थी।

खादी इंडिया ने तैयार की सनातनी वस्त्र की रेंज कुर्ते के पीछे लिखा हुआ मिलेगा जय श्री राम

नई दिल्ली-अयोध्या में भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा से पहले खादी इंडिया खादी के सनातनी वस्त्र की शृंखला लेकर आ रहा है। निफ्ट दिल्ली के डिजाइनर ने इसे तैयार किया है। इसमें कुर्ते के पीछे 'जय श्री राम' लिखा हुआ मिलेगा। हल्के क्रीम रंग के खादी के इस कुर्ते में आगे से सादी और पीछे भगवान राम का मंदिर भी संकेतात्मक मंदिर होगा। खादी विकास और ग्रामोद्योग के अध्यक्ष मनोज कुमार बुधवार को कनॉट प्लेस स्थित खादी इंडिया में इस सनातनी वस्त्र की शृंखला को लॉन्च करेंगे। यहां पर दर्शकों को खादी या हैंडलूम के कपड़े में यह सनातनी वस्त्र मिलेंगे। युवाओं को ध्यान में रखते हुए कुर्ता-पाजाम सेट, मफलर, टोपी, साड़ी, दुपट्टा समेत अन्य वस्त्र तैयार किए गए हैं। इसमें रंग, डिजाइन का खास ध्यान रखा गया है। इसका मकसद युवाओं को भगवान श्रीराम से जोड़ना है। इंस्पायर द नेशन कार्यक्रम के तहत की जाएगी छात्रों की काउंसलिंग फरीदाबाद। इंस्पायर द नेशन 2.0 के तहत सेमिनार और वेबिनार के माध्यम से छात्रों की काउंसलिंग की जाएगी। इस कार्यक्रम का आयोजन 24 जनवरी से शुरू होकर 20 अक्तूबर 2026 तक किया जाएगा।

गुजरात में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस को बड़ा झटका

भाजपा में शामिल हुए 2000 कार्यकर्ता

नेशनल डेस्क: गुजरात में विपक्षी दल कांग्रेस और अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी (आप) के 2,000 से अधिक कार्यकर्ता और पदाधिकारी मंगलवार को राज्य में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुये। पार्टी ने यह जानकारी दी। गांधीनगर में सत्तारूढ़ पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में आयोजित एक समारोह में इन कार्यकर्ताओं को भाजपा में शामिल किया गया। बीजेपी ने कहा कि कांग्रेस से भाजपा में शामिल होने वालों में राजकोट जिला पंचायत में विपक्ष के पूर्व नेता अर्जुन खटारिया, सेवा दल के राजकोट जिला अध्यक्ष किशोरसिंह जाडेजा और राजकोट जिला पंचायत के चार सदस्य शारदाबेन धादुक, मीरा भालोदिया, गीता चावड़ा और गीता चौहान एवं अन्य शामिल हैं। राजकोट के साथ-साथ उत्तर और मध्य गुजरात के ये स्थानीय नेता मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और भाजपा की गुजरात इकाई के अध्यक्ष सीआर पाटिल की उपस्थिति में सत्तारूढ़ दल में शामिल हुए। विज्ञप्ति में कहा गया है कि नवनियुक्त सदस्यों का स्वागत करते हुए पाटिल ने कहा कि सभी को भारत और गुजरात को मजबूत करने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयास में मदद करनी चाहिए।

शीतलहर का कहर जारी, आठवीं कक्षा तक के सभी स्कूल 20 जनवरी तक बंद

पटना: पिछले एक सप्ताह से पड़ रही कंपकंपा देने वाली शीतलहर के जारी कहर को देखते हुए जिला प्रशासन ने पटना में आठवीं कक्षा तक के सभी शैक्षणिक संस्थानों को 20 जनवरी तक बंद रखने का निर्देश दिया है। जिलाधिकारी चंद्रशेखर सिंह ने मंगलवार को यहां एक पत्र जारी कर जिले के सभी निजी और सरकारी स्कूलों (प्री-स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्रों सहित) की आठवीं कक्षा तक की शैक्षणिक गतिविधियों पर इस अवधि तक के लिए रोक लगा दी है। उन्होंने कहा कि कक्षा-नौवीं से आगे की कक्षाएं उचित सावधानियों के साथ जारी रहेंगी और उन्हें सुबह 09.00 बजे से दोपहर 3.30 बजे के बीच संचालन की अनुमति दी गई है। वहीं चंद्रशेखर सिंह ने कहा कि मिशन दक्ष और बोर्ड परीक्षाओं से संबंधित शैक्षणिक गतिविधियों को छूट दी जाएगी। यह आदेश 17 जनवरी से 20 जनवरी तक लागू रहेगा।

संयुक्त राज्य अमेरिका ने एक बार फिर यमन में किया हमला

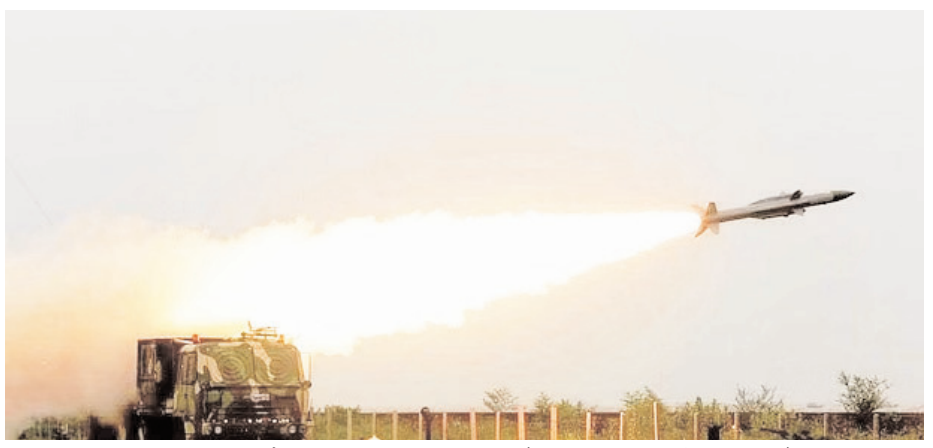

वॉशिंगटन- यमन के हूती विद्रोहियों के खिलाफ अमेरिका लगातार आक्रमक है। अमेरिका ने एक बार फिर हूती विद्रोहियों के बैलिस्टिक मिसाइलों के खिलाफ हमला किया। अमेरिका का यह तीसरा हमला है। अमेरिका के सेंट्रल कमांड ने एक्स पर ट्वीट कर हमले की जानकारी साझा की। व्हाइट हाउस का कहना है कि अगर समूह आगे भी हमला करेगा तो अमेरिका भी उनका मुकाबला करेगा और मुंहतोड़ जवाब देगा। समूह की चार मिसाइलों के उड़ाए परखच्चे यूएस कमांड पोस्ट ने ट्वीट कर बताया कि हूती अंतरराष्ट्रीय जहाजों के खिलाफ लगातार हमला कर रहा था। 16 जनवरी को दोपहर 1.45 बजे विद्रोहियों ने एक एंटी शिप मिसाइल लॉन्च किया। ग्रीक शिपिंग और द्वीप नीति मंत्रालय ने बताया कि जहाज स्वेज नहर के उत्तर की ओर जा रहा था। जिसमें माल्टा देश का ध्वज लगा हुआ था। हालांकि, अमेरिका के अनुसार हमलों में कोई घायल नहीं हुआ और जहाज को भी अधिक नुकसान नहीं हुआ। विद्रोहियों के इस हमले के बाद अमेरिका की सेना ने हमला किया और उनकी एंटी-शिप मिसाइलों को नष्ट कर दिया। अमेरिका ने विद्रोहियों द्वारा लॉन्च के लिए तैयार चार बैलिस्टिक मिसाइलों को अपने हमले में नष्ट कर दिया। अमेरिका आगे भी हमलों का जवाब देंगे व्हाइट हाउस के अधिकारी, जॉन किर्बी का कहना है कि अगर समूह आगे भी हमले जारी रखेगा तो अमेरिका उनका मुकाबला करेगा। किर्बी ने मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की। इस दौरान उनसे पिछले दो हमलों में हुए नुकसान के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि मैं आपको इसकी जानकारी के लिए पेंटागन भेजूंगा। पेंटागन इस सवाल के जवाब के लिए उचित हैं। मैंने पहले ही कहा था कि हूती हमारे हमले के बाद किसी न किसी रूप में जवाबी कार्रवाई करेंगे और उन्होंने किया भी। अमेरिका ने उन्हें जवाब देने के लिए हमला किया है और उनकी सैन्य क्षमता को बधित करने के लिए हमला किया था। हालांकि, जहां तक बात है युद्ध क्षति के आंकलन की तो इसका जवाब पेंटागन बेहतर दे सकता है। किर्बी ने आगे कहा कि हमें पता है कि समूह के पास अब भी सैन्य शक्ति है। अब उनको तय करना है कि वह इन शक्ति का इस्तेमाल कैसे करेंगे। अगर वे हमले जारी रखेंगे तो हम भी हमलों का मुंहतोड़ जवाब देंगे और उनका उचित मुकाबला करेंगे। जैसा हमने आज किया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569